पाषाण युग

पाषाण काल (Paleolithic)

- निम्न/ प्रारंभिक पाषाण काल
  - सोन/ सोहन - पंजाब
  - बेलन घाटी - उत्तर प्रदेश — गुफा/ चट्टान का आश्रय
  - दिदवाना - राजस्थान
  - नेवासा - महाराष्ट्र
  - हुनसगी/ हुसंगी - कर्नाटक
  - पहलगाम - कश्मीर
  - पटने - महाराष्ट्र — पहली बार शतुरमुर्ग के साक्ष्य
- मध्य पाषाण काल
  - FLAKE तकनीक
  - शिकार एवं भोजन एकत्र करना
- उच्चपाषाण काल
  - Pleistocene का अंतिम चरण
  - Homosapiens की उपस्थिति
  - चकमक पत्थर का उपयोग
  - क्षेत्र
    - इनामगांव - महाराष्ट्र
    - नेवेदा - महाराष्ट्र
    - दिदवाना - राजस्थान
    - भीमबेटका - मध्य प्रदेश — गुफा/ चट्टान का आश्रय

नवपाषाण काल (Neolithic)

- खाद्य उत्पादक बन गये
- लोगों के पास संपति होने लगी
- कला — भीमबेटका - (MP भोपाल से 45Km)
- मिट्टी के बर्त्तन — काला एवं लाल रंग में
- स्थलें
  - मेहरगढ़ (ब्लूचिस्तान) — धन एवं फसलों के साक्ष्य
  - कश्मीर घाटी
    - हड्डियों के हथियार
    - बुर्जहोम - श्रीनगर से 16 Km पश्चिम
      - समाधि
      - घरेलू कुत्ते को उनके मालिक के साथ दफनाया जाता था। मानव झील के किनारे रहते थे
    - गुफकराल - श्रीनगर से 41 Km दक्षिण पश्चिम — means Cave of potter
  - बिहार - चिरांद — हड्डियो के हथियार
  - कर्नाटक बाजरे की खेती
    - सनगनकल्लु
    - बहगिरी
    - मस्की
    - पिकलिहल
    - हल्लूर
  - उत्तर प्रदेश - इलाहाबाद
  - आंध्र प्रदेश
    - बुदिहाल
    - उतनूर
    - नागार्जुनकोंडा
    - भीमा, कृष्णा, तुंगभद्रा नदी के आसपास
  - तमिलनाडु - पल्यमपल्ली और कावेरी
  - बेलन घाटी - कोल्डिहवा और महगरा
  - मेघालय - गारी पहाड़ियाँ
  - डोआजली हेडिंग - असम — Jedeite पत्थर
  - तुर्किये में कैटल हुयुक — प्रथम मानव प्रोटे शहर

Mesolithic मध्य पाषाण युग

- उत्तर पाषाण युग/ माइक्रोलिथिक युग
- गर्म जलवायु : वनस्पति एवं जीव में वृद्धि
- आग एवं छोटे पत्थरो के औजारों का उपयोग
- क्षेत्र
  - लाँघनाज - मेहसाना गुजरात
  - भीमबेटका - भोपाल मध्य प्रदेश
  - चौपानी मंडो - इलाहाबाद उत्तर प्रदेश
  - वीरभानपुर - बर्दवान पश्चिम बंगाल
  - बागोर - राजस्थान — पशुओं को पालतु बनाने का प्रारंभिक साक्ष्य
  - संगनकल्लु - कर्नाटक
  - तूतीकोरीन - दक्षिणी तमिलनाडु
  - अदमगढ़ - मध्य प्रदेश

ताम्र युग
ताम्रपाषाण युग

तथ्य
- मानव द्वारा खोजी गई प्रथम धातु - तांबा
- रूरल समुदाय
- दफन होता था
- घोड़ा एवं पके ईटों की जानकारी नही

स्थलें
- पश्चिमी महाराष्ट्र Jorwe सभ्यता
  - जोरवे
  - नेवासा
  - देइमाबाद
  - चंदौली
  - इनामगांव
  - नासिक
  - नावदाटोली
- दक्षिण - पूर्व राजस्थान (बनास घाटी)
  - आहाड़ — शुरुवाती
  - गिलुंड
- पश्चिमी मध्य प्रदेश
  - मालवा
  - क्याथा
  - इरान (eran)
- पूर्वी भारत
  - चिरांद — बिहार
  - बर्दवान — पश्चिम बंगाल
  - Midnapore मिदनापुर — पश्चिम बंगाल

मिट्टी के बर्तन
- लाल एवं काला रंग में
- रंगीन ohre

सिंधुघाटी सभ्यता

शहरी सभ्यता
- सिन्धु नदी के पास
- नामकरण - ASI के निदेशक John Marshall द्वारा
- फैला हुआ
  - भारत - पंजाब , हरियाणा , राजस्थान , और पश्चिमी UP
  - पकिस्तान - पंजाब , सिंध एवं बलूचिस्तान
- विस्तार
  - North - Manda (J&K) उत्तर - मांडा (J&K)
  - पूर्व - आलमगिरपुर (UP)
  - पश्चिमी - सुत्कागेंडोर (बलूचिस्तान)
  - दक्षिण - दैमाबाद (महाराष्ट्र)

नगर नियोजन
- नगर दो भाग मे
  - दुर्ग (Citadel / Acropolis)
  - निचला शहर
- ग्रिड प्रणाली
- जल निकासी व्यवस्था
- गबरबंद/ नाला - बलूचिस्तान में जल संचयन के लिए
- कपास/ सिंडन का उत्पादन करने वाली प्रथम सभ्यता
- Pashupati Seal
  - इसमें जानवर - भैंस, हाथी, बाघ , हिरण और राइनो/ यूनिकॉन एक सिंग वाला जानवर

प्रौद्योगिकी एवं शिल्प
- कांस्य उपकरण मिला
- लोहे से अनभिज्ञ
- पेशा - कपड़ा, ईंट बनाना , नाव बनाना, मनका/ आभूषण बनाना
- जेडाइट पत्थर - दाओजली हेडिंग (असम)
- सोने के आभूषण - कर्नाटक से लाया हुआ
- मिट्टी के बर्तन एवं बर्तन का पहिया मिला

व्यापार
- स्टीटाइट एवं टेराकोटा से बना मुहरों के साक्ष्य के माध्यम से
- मेसोपोटामिया (इराक) के साथ व्यापार
- साक्ष्य - हड़प्पा की मोहरें वहाँ मिली
- उन्होंने हड़प्पा सभ्यता कहा - मेलुहा
- वजन मापना - 16 के गुणज में
- वस्तु विनिमय प्रणाली का प्रयोग
- Lapis Lazuli (blue stone) का व्यापार

धार्मिक परंपराएँ
- लिंग (Phallus) - पुरुष जननांग अंग
  योनी (Yoni) - महिला जननांग अंग
- पशुपति , पेड़ , जानवर एवं धरती माता
- भूतों पर विश्वास

जानवरों को पालना
- भैस ,बकरी , भेड़, बैल , सूअर
- गधे एवं ऊँट - वाहको के लिए
- गाय एवं घोड़े से अनजान
- हाथी से पहचान

राजनीति
- कोई मंदिर नही
- व्यापारी समुदाय का प्रभुत्व शायद व्यापारी वर्ग द्वारा शासित

लिपि (Script)
- लिपी चित्रात्मक थी (चित्र के रूप में)
- बास्ट्रोफेडन (Baustrophedon) लिपि

स्थलें
- हड़प्पा
  - प्रत्येक पंक्ति में 6 अन्न भंडार
  - 1921
  - पंजाब
  - ताबूत दफन
  - दयाराम साहनी
  - रावी
- चहुनदड़ो
  - गोपाल मजुमदार
  - सिंध
  - दुर्ग के बिना शहर
  - सिंधु
- मोहनजोदड़ो
  - देवी माँ की मिट्टी की मूर्ति
  - कांस्य की नृत्य करने वाली लड़की त्रिभंग मुद्रा (नृत्य रूप)
  - R .D . Banerjee
  - सिंध
  - महान स्नानागार एवं अन्नागार
  - - Steatite दाढ़ी वाला आदमी
  - सबसे बड़ा शहर
  - सिंधु
- लोथल
  - संयुक्त/ युग्मित समाधि
  - टेराकोटा जहाज
  - प्राचीन बंदरगाह
  - गुजरात
  - अग्नि वेदी
  - जहाज बनाने का स्थान
  - भोगवा
- काली बँगा
  - - 7 अग्नि वेदी
  - जोते हुए खेत
  - काली चूड़ियाँ
  - राजस्थान
  - सभी घरों में अपना कुँए
  - हल
  - घग्गर
- सुरकागेंडोर/सिरकोटदा
  - तटीय क्षेत्र
  - घोड़े की एक हड्डी
- धोलावीरा
  - विशाल जलाशय
  - गुजरात
  - 3 भाग में विभाजित
- राखीगढ़ी
  - भारत में सबसे बड़ा स्थल
  - हरियाणा
  - टेराकोटा पहिए एवं खिलोने
  - घग्गर
- भिड़ाना
  - हरियाणा
  - सबसे पुरानी सिंधु घाटी सभ्यता क्षेत्र
- बनावली
  - R.S. Bisht
  - हरियाणा
  - ग्रिड पैटर्न का अभाव
  - घग्गर
- रोपड़
  - कुत्ते की समाधि
  - अंडाकार दफन का गड्ढा
- सनौली
  - उत्तर प्रदेश
  - विस्तारित समाधि

वैदिक युग

वेद
- प्राचीनतम लेख
- यह भगवान द्वारा प्रदत् अपोरूषेय हैं।
- उपशाखा
  - संहिता - भजनो/ ऋचाओं का समूह ; पैरा में श्लोक
  - बाह्मण - वेदों का अंत - बलिदान और अनुष्ठात
  - अरण्यक - साधु (जंगल में निवास)
  - उपनिषद/ वेदांत - ज्ञान का ग्रहण , (कुल - 108 ; मुख्य - 10)
- ऋगवेद
  - सबसे पुराना एवं बड़ा
  - 10 मंडल ' दूसरा - 7वाँ मूल रूप से बनाये गये।
  - 1028 भजन (होत्री द्वारा गाये गये) 10600 श्लोक
  - देवता - इंद्र , विष्णु , वरुण
  - गायत्री मंत्र - 3rd मंडल में
  - भगवान सोम - 9th मंडल में (ग्रहों के देवता)
  - पुरुष सुकता - 10 वें मंडल में
    - बाह्मण मुँह से
    - क्षत्रिय - भुजाओं सें
    - वैश्य - जाँघों से
    - शुद्र - पैरो से
- सामवेद
  - मंत्रोच्चार की धुनें शामिल
  - उपनिषद्
    - चंडोग्र (Chandogya)
    - केना (Kena)
- यजुर्वेद
  - द्वितीय खंड में
    - शुकल - शतपत् शम्मिल
    - कृष्ण - बाह्मण (सबसे बड़ा)
  - उपनिषद
    - बृहदारण्यक - प्राचीनतम उपनिषद्
    - कथा - नचिकेता की कहानी
- अर्थर्वेद
  - जादुई सूत्रों का वेद
  - 20 खंड
  - उपनिषद
    - मण्डूक - सत्यमेव जयते लिया गया
    - महा उपनिषद - वसुदेव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है।)

वेदांग (Vedangas)
- शिक्षा - स्वर विज्ञान का अध्ययन
- कल्प - अभ्यास का अध्ययन (रीटा)
- व्याकरण - व्याकरण का अध्ययन
- निरुक्त - व्युपत्ति शास्त्र का अध्ययन
- ज्योति - प्रकाश का अध्ययन
- छंद - काव्यात्मक विषयों का अध्ययन

दर्शनशास्त्र
- समाख्या - कल्पना
- न्याय - गौतम (वैज्ञानिक दृष्टिकोण)
- वैशेषिक - कन्नड़ (परमाणु)
- योग - पंतजलि
- उत्तर मीमांसा - बदरायण
- पूर्व मीमांसा - जैमिनी

उत्तर वैदिक
- आर्यों ने पंजाब से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार तक विस्तार किया
- विस्तार संभवतः हुआ - लोहे के हथियार एवं घोड़े के कारण
- कृषि
  - आजीविका का मुख्य साधन
  - विरही - चावल
  - लकड़ी के हल (rular)
- राजनीति
  - केन्द्रीकरण की शुरुवात
  - सभा - महिलाओं को अनुमति नहीं थी
  - समिति
  - Vidatha - Ended
  - बलि - राजा को स्वेच्छिक भेंट
- समाज
  - वर्ण व्यवस्था
    - बाह्मण - प्रभुत्वशाली
    - क्षत्रिय - शासन एवं रक्षा करना
    - वैश्य - व्यापार
    - शुद्र - सेवक
  - महिलाओं की स्थिति ठीक नही
  - गोत्र (वंश) प्रणाली का उदय
  - आश्रम , बाह्मचर्य , गृहस्थ, वाणप्रस्थ , सन्यास
- मिट्टी के बर्तन
  - भूरे रंग के मिट्टी के बर्तन

प्रारंभिक वैदिक/ ऋगवैदिक युग
- पुराना नाम
  - हिमवंत - हिमालय
  - अमुंजवत - हिंदुकुश
  - Indus - सिंधु
  - झेलम - विस्तता
  - चिनाब - अस्किनी
  - रावी - पोरुषिनी
  - व्यास - विपाशा
  - सतलुज - शुतुद्रि
  - Saraswati - Saraswati
- समाज
  - 4 वर्ण - बाह्मण , क्षत्रिय , वेश्य , और शुद्र
  - पेशा पर आधारित
  - बाल - विवाह नही
  - विधवा विवाह - नियोगी
  - पितृसत्तात्मक समाज
  - गाय (अधन्या) - धन का निर्णायक
  - गायों का युद्ध - गविष्टि
- राजनीति
  - ऐच्छिक राजशाही - वंशानुगत
  - सभा - कुछ विशेषाधिकारप्राप्त लोगों का समुदाय
  - समिति - सामान्य लोगों का समुदाय
  - विधाता (Vidatha) धार्मिक लोगों का समुदाय
  - अधिकारियों की रैंकिंग
    - पुरोहित
    - सेनानी - सेना प्रमुख
    - ग्रामणी - ग्राम प्रधान
- धर्म
  - पूजा - प्रकृति , पृथ्वी , इंद्र, अग्नि , सोम , वायु
  - रूद्र - जीवों की पूजा
  - अदिति - देवताओं की माताएँ
  - सावित्री - गायत्री मंत्र रसे समर्पित है
  - कोई पशु पूजा नही
- मिट्टी के बर्तनों
  - गेरुआ रंग के मिट्टी के बर्तन

जैन धर्म

PARMAR SSC

तीर्थंकर
- Total - 24
- Ist - रिषभदेव
  - जैन धर्म के संस्थापक
  - जन्म - अयोध्या
  - प्रतीक - बेल
  - वेदों में वर्णित
- 22nd - अरिष्टनेवी
  - वेदों में उल्लेख
- 23rd - पाशर्वनाथ
  - जन्म - वाराणसी
  - प्रतीक - सर्प
- 24th - वर्द्धमान महावीर
  - मुख्य संस्थापक
  - प्रतीक - सिंह
  - जन्म 540 BC कुंडग्राम, वैशाली , बिहार
  - मृत्यु/ मोक्ष - 468BC पावापुरी, बिहारशरीफ , बिहार
  - पिता - सिद्धार्थ जनतक्रिय वंश (क्षत्रिय)
  - माँ - त्रिशाला
  - पत्नी - यशोदा
  - बेटी - अनोजा प्रियदर्शनी
  - प्रथम शिष्य जमाली (दामाद)
  - गृहत्याग - 30 साल की उम्र में
  - आत्मज्ञान/ कैवल्य - 42 की उम्र में साल वृक्ष के नीचे जम्बिका ग्राम रिज्जुपालिका नदी
  - प्रथम उपदेश - पावा
  - इसे जितेंप्रिय और केवलिन (पूर्ण विद्वान) भी कहा जाता है।
- बसादी - जैन मठ

संरक्षक
- चंद्रगुप्त मौर्य
- बिंदुसार
- बिंबिसार
- अजातशत्रु

जैन दर्शन
- साहित्य - प्राकृत भाषा में
- मोक्ष - 3 सिद्धांत
  - सम्यक ज्ञान
  - सम्यक दर्शन
  - सम्यक चरित्र
- प्रतिज्ञा/ जीवन जीने के सिद्धांत
  - अहिंसा - हिंसा नही
  - सत्य - सत्य बोले
  - अस्तेय - चोरी नहीं करें
  - बह यौन रूप से एक निष्ठ
  - अपरिग्रह - भौतिक वस्तुओं , लोगों और स्थान से अलग हो जाना

भाग
- दिगांबर
  - वस्त्र धारण नही
  - चंद्रगुप्त मौर्य एवं भद्रबाहु श्रवणबेलगोला कर्नाटक गये
  - सल्लेखाना - उपवास से मृत्यु
- श्वेताम्बर
  - सफेद कपड़ा पहनाना
  - स्थूलभद्र
  - कारण - मगध में अकाल

परिषद/ संगीति
- Ist - 298 BC, बिंदुसार द्वारा आयोजित
  - 12 अंग संकलित
  - स्थूलभद्र - अध्यक्षता की
- 2nd - वल्लमी गुजरात में

जैन वास्तुकला
- गोमतेश्वर/ बाहुबली की मूर्ति , श्रवणबेलगोला कर्नाटक
- Rock cut गुफा मंदिर
  - हाथीगुम्फा गुफा खारवेला उड़ीसा
  - उदयागरी एवं खानदिगिरी - उड़ीसा
  - दिलवारा जैन मंदिर - माउंट आबू राजस्थान
  - वस्तुपाल भाइयों द्वारा निर्मित

बौध धर्म

PARMAR SSC

गौतम बुद्ध
- जन्म - 623 BC लुंबिनी , नेपाल
- मृत्यु - 483 BC कुशीनगर
- पिता शुद्धोधन (शाक्य वंश)
- माता - महामाया
  महाप्रजापति (सौतेली माँ) (पहली भिक्षुणी) गौतिमी
- पत्नी - यशोधरा
- बेटा - राहुल
- गृह त्याग - 29 वर्ष की अवस्था में
- गुरु
  - Ist - अलारा कमारा
  - 2nd - उद्रक रामपुत्र
- आत्मज्ञान - उरुबेला , बोध गया बोधी वृक्ष के नीचे, निरंजना नदी
- पहली उपदेश - सारनाथ
- प्रतीक
  - कमल - जन्म
  - घोड़ा - गृह त्याग/ महाभिनिष्क्रमण
  - बोधी वृक्ष - आत्मज्ञान/निर्वाण
  - पहिया - प्रथम उपदेश/ धर्मचक्रपरिवर्तन
  - Stupa - Death

विश्वविद्यालय
- नालंदा - कुमार गुप्ता । (बिहार)
- विक्रमशिला - धर्मपाल (बिहार)
- उदांतपुरी - गोपाल

स्तूप
- केसरिया - बिहार (सबसे बड़ा)
- धमेक - सारनाथ UP
- रामभर - कुशीनगर UP
- सांची मध्यप्रदेश
- बोरोबुदुर - इंडोनेशिया

शर्ते
- चैत्य - प्रार्थना स्थल
- विहार - निवास स्थान
- Dhamma धम्म
- स्तूप

संस्कृत में पाठ
- बुद्धचरित - अश्वघोष
- जातक कहानी - बुद्ध का पिछला जन्म

पाली भाषा में पाठ
- त्रिपिटक
  - सुत्त पिटक - शिक्षणगत कथाएँ
  - विनय पिटक - अद्वैतवादी एवं संहिता
  - अभिधाम पिटक - सूत्तपिटक का व्याख्या
- मिलिंद पन्हो - मिलिंड और नागसेना

संप्रदायों
- हिनयान
  - मूर्ति पूजा नही
  - पाली भाषा का प्रयोग
- महायान
  - मूर्ति पूजा
  - संस्कृत भाषा का प्रयोग
  - बोधिसत्व
- वज्रयान
  - तौत्रिक बौद्ध धर्म

संगीति (Council)
- Ist - राजगृह
  - 480BC
  - अजातशत्रु
  - महाकश्यप
- 2nd - वैशाली
  - 383BC
  - कालासोक
  - सबाकमी
- 3rd - पाटलीपुत्रा
  - 250BC
  - अशोक
  - मोगलीपुत्र तिस्सा
- 4th - कश्मीर
  - 72AD
  - कनिष्क
  - वसुमित्र
  - बोद्ध धर्म 2 भाग में बँट गया महायान एवं हीनयान

दर्शन
- दुःख का सत्यः संसार दुःखो से भरा हैं।
- दुःख का सत्य कारण - इच्छा
- दुःख के सत्य का अंत - 8 अष्टांगिक मार्ग
  - सम्यक दृष्टि
  - सम्यक संकल्प
  - सम्यक वचन
  - ससम्यक कर्म
  - सम्यक आजीविका
  - सम्यक व्यायाम
  - सम्यक स्मृति
  - सम्यक समाधि
- दुःख के अंत की ओर ले जाने वाले मार्ग की सच्चाई - अनुसरण करें

महाजनपद

जनपद

जनपद	राजधानी	वर्तमान क्षेत्र
अंग	चंपा	मुंगेर एवं भागलपुर
मगध	गया और पटना	राजगीर/ पाटलीपुत्र
काशी	वाराणसी	बनारस
वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद
कौशाला	सरस्वती/ अयोध्या	पूर्वी उत्तर प्रदेश
सूरसेना	मथुरा	महतुरा
पंचाल	अहिच्छत्र एवं काम्पिल्य	पश्चिमी उत्तर प्रदेश
कुरु	इंद्रप्रस्थ	मेरठ एवं दक्षिण-पूर्व हरियाणा
मतस्य	विराटनगर	जयपुर
चेदि/ चेतिया	सोठीवाटी/ बांदा	बुंदेलखंड
अवंति	उज्जैन/ महिष्मती	मध्य प्रदेश एवं मालवा
गंधार	तक्षशिला	रावलपिंडी
कंबोज	पुंछा	राजोरी एवं हाजरा (कश्मीर)
अस्माक	प्रतिष्ठा/ पैठन/ पोताना	गोदावरी के किनारे
वज्जी	वैशाली	वैशाली
मल्ला	कुशीनरा	देवरिया एवं उत्तर प्रदेश

कुल - 16

- या तो राजशाही या गणतंत्र (बहुविकल्पीय निर्णय निर्माता)
- गणतंत्र जनपद - कुरू, कंबिजा, वज्जी, मल्ला, असाका

उल्लेख

- अष्टाधायी - पाणिनी द्वारा
  - संस्कृत
  - 40 जनपदों का उल्लेख
- बौद्ध साहित्य
  - अंगुतरनिकाय 16 (महाजनपद)
  - दीघनिकाय (12 महाजनपद)
- जैन साहित्य
  - भगवती सूत्र

तथ्य

- अंग - कर्ण (अंगराज)
- वाराणसी - वरुण + अस्सी (नदी)
- उज्जैन - क्षिप्रा नही
- वज्जी - 8 वेशों का संयोजन (जैसे - जनत्रिका, विदेह, लिच्छवि)

मगध साम्राज्य

- **विस्तार के कारण**
  - लाभप्रद स्थिति
  - राजधानी
    - राजगृह (5 पहाड़ियों से घिरा हुआ)
    - पाटलिपुत्र (गंगा और सोन के संगम पर स्थित)
  - बड़ी संख्या में हाथी की उपलब्धता
  - महान् नेताएँ
- **समाज**
  - मिट्टी के बर्तन
    - उत्तरी ब्लैक पॉलिश्ड-वेयर
  - पंचचिह्नित चांदी का सिक्का - निश्क/सतमना
  - कारीगर और व्यापारी - गिल्ड/श्रेनिस (Shrenis)
  - शिल्पकला वंशानुगत थी
  - लोहे का हल- कृषि आधिक्य (surplus)
  - बली - भगवान को अनिवार्य अर्पण
  - पद
    - धनी किसान गृहपति
    - किसान अपनी उपज का 1/6 भाग कर अदा करते हैं
    - गाँव प्रधान - भोजका/ ग्रामीणी
    - सीमा शुल्क कर संग्रहकर्ता शैलिका/शुलकाध्यक्ष
- **वंश**
  - हर्यक वंश
    - बिंबिसार (544-492 BC)
      - अंग को हराया
      - कूटनीतिक रूप से - 3 पत्नियाँ
        - प्रसेनजित की बहन (कौशल राजा का पुत्र)
        - चेलाना (लिच्छवि)
        - मदरा वंश (पंजाब)
      - अपने चिकित्सक जीवक को (पीलिया से पीड़ित) उज्जैन भेजा।
    - अजातशत्रु (चेलाना का बेटा)
      - लिच्छिवि को हराया
      - कोशल को पराजित किया (राजा की बेटी से विवाह किया)
      - अपने पिता को मारा
      - प्रथम बौद्ध परिषद को संरक्षण दिया
      - युद्ध इंजन का उपयोग करके वैशाली को हराया
    - उदयिन
      - अपनी राजधानी को पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया
  - शिशुनाग वंश
    - शिशुनाग
      - अवंती को हराया और मगध में विलय कर लिया
    - कालासोक
      - द्वितीय बौद्ध संगीति का संरक्षण किया
  - नंद वंश
    - महापद्मनंद
      - एकराथ टिटेल (Ekrath titel) (अर्थ - साम्राज्य निर्माता)
    - धनानंद
      - सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया (326 ईसा पूर्व)
  - मौर्य वंश
    - चंद्रगुप्त मौर्य

मौर्य साम्राज्य

उत्पत्ति
- चंद्रगुप्त मौर्य का संबंध -
  - मुद्राराक्षस - वृषल/ कुलहिना (निम्न वंश)
  - पुराण - शुद्र
  - जूनागढ़ शिलालेख - वैश्य

स्रोत
- अर्थशास्त्र - कौटिल्य/ चाणक्य/ विष्णुगुप्त
- मुद्रा राक्षस - विशाखदत्त (गुप्त वंश)
- इंडिका - मेगास्थिनिज (यूनानी यात्री)
- बौद्ध साहित्य - जातक ,दीपवंश / महावंश, दिव्यदम

शासक
- चंद्रगुप्त मौर्य (संस्थापक)
  - कौटिल्य की मदद से धनानंद को हराया 322 BC
  - सेल्युकस निकेटर को हराया   बेटी - हेलेना
- बिंदुसार
  - यूनानियों द्वारा अमित्रोचेट्स (Amitrochates)
  - संरक्षण आजीविका
- अशोक
  - 12 साल शासन
  - कलिंग पर कब्जा (261BC)
  - बौद्ध धर्म अपनाया
  - बेरिघोष (भौतिक विजय) के स्थान पर धम्मघोष (सांस्कृतिक विजय)
- अंतिम शासक - बृहद्रथ (पुष्यमित्र सुंगा द्वारा हराया गया)

प्रशासन
- सप्तांग सिद्धांत - शासन के लिए 7 तत्व (कौटिल्य द्वारा)
  - king - राजा
  - सचिव - अमात्या
  - क्षेत्र - जनपद
  - किला - दुर्ग
  - खजाना - कोष
  - Army - सेना
  - दोस्त - मित्र
- 2 प्रकार के कोर्ट
  - दीवानी (civil) - धर्मस्थीय न्यायालय - (व्यवहारिका)
  - आपराधिक - कंटकशोधन न्यायालय - (प्रदेष्टा)
- समाज
  - 4 वर्ण
  - इंडिका - 7 वर्ग , गुलामी नही था
  - सेना में महिलाएँ ऊँचे पदों पर
- आर्थिक स्थिति
  - कर - 1/4th - 1/6th
  - बाली - लुम्बनी के लोगों के लिए नही
  - भोग - कृषि कर
- बंदरगाह
  - पश्चिम - भरूच, सुपारा
  - पूर्व - ताम्रलिप्ति

अधिकारी
- सन्निधाता - मुख्य कोषाधिकारी
- समाहर्त्ता - राजस्व के कलेक्टर जनरल
- गोप - लेखा/ खाता के लिए जिम्मेवार
- अक्षपटला - महालेखाकार
- नगरका - नगर प्रभासन के लिए
- सीतादक्ष - कृषि के लिए जिम्मेवार
- समष्ठाध्यक्ष - बाजार के लिए जिम्मेदार
- नवाध्यक्ष - जहाजों के लिए जिम्मेदार
- शुल्काध्यक्ष - टोल टैक्स के लिए जिम्मेदार
- धम्म महामेत्र - यह जाँचने के लिए कि धम्म का पालन हो रहा है या नहीं (अशोक द्वारा)
- मेगास्थिनिज के अनुसार
  - नगर पालिका प्रशासन - 6 समिति - 5 सदस्य प्रत्येक में
  - सेना - (6 कमिटी - 5 सदस्य प्रत्येक में)

अशोक के स्तंभ
- चट्टान
  - प्रमुख (Major) - 14
    - जेम्स प्रिंसेप - सबसे पहले समझने वाले
    - 3 भाषा एवं 4 लिपियाँ
      - प्राकृत भाषा - ब्राह्मणी एवं खारोष्ठी लिपि
      - ग्रीक भाषा - ग्रीक लिपि
      - अरामिक (Aramaic) भाषा - अरामिक लिपि
    - देवानामि पियादशी - अशोक (देवों का प्रिय)
  - लघु (Minor) - 15
    - मस्की कर्नाटक
    - गुर्जर - मध्य प्रदेश
    - ब्रह्मगिरि
    - नित्तुर
    - (अशोक के बारे में उल्लेख)
- स्तंभ
  - कुल - 7
  - प्राकृत भाषा - ब्राह्मी लिपि
  - दिल्ली तोपरा पिलर शिलालेख - सिर्फ 7 शिलालेख के साथ
  - लौरिया अरेराज (बिहार)
  - लौरिया नंदराढ़ (बिहार)
- राजधानी
  - साँड - संसद
  - हाथी
  - शेर - वैशाली
- बाराबार चोटी गुफा - बिहार (बौद्धों के लिए अशोक द्वारा)
- लोमास ऋषि गुफा - बिहार
- नागार्जुनी गुफा - बिहार (दशरथ मौर्य द्वारा)

मौर्योत्तर साम्राज्य

शुंग राजवंश 185BC - 73BC
- पुष्यमित्र शुंग (संस्थापक)
- राजधानी विदिशा (मध्य प्रदेश)
- हिंदू धर्म का पालन
- बौद्ध धर्म का संरक्षण - बारहुत स्तूप (मध्य प्रदेश)
- पुत्र-अग्निमित्र
- मालविकाग्निमित्र-अग्निमित्र और मालविका के प्रेम की कहानी (कालिदास द्वारा)
- महाभाष्य - पंतजलि द्वारा
- देवभूति (अंतिम शासक)
  - हत्या-वासुदेव ने की

कणव वंश 73BC - 28BC
- वासुदेव (संस्थापक)
- राजधानी - पाटलीपुत्र

सातवाहन वंश 60BC - 225AD
- वर्तमान समय - महाराष्ट्र
- राजधानी पैठन/ प्रतिष्ठान (Paithan / Pratisthan)
- सिमुका सातवाहन (संस्थापक)
- शुरुवात किया - सीसे के सिक्के
- गौतिमी पुत्र सतकरणी (महान शासक)
  - क्षत्रप नाहापिणा (शक का शासक) को हराया
- बाह्मणवाद का उत्तकर्ष
- पितृसत्तात्मक और मातृवंशीय
- भूमि दान करने की प्रथा शुरू की (ब्राह्मणों और बौद्ध भिक्षुओं को)
- अनेक चित्य, विहार को चट्टानों से काटकर बनाये गये
- अजंता एवं एलोरा की गुफाए का निर्माण
- स्तूप अमरावती एवं नागार्जुनकोंडा (आंध्र प्रदेश)
- प्राकृत भाषा

मध्य भारत से आक्रमण
- हिंदुकुश को पार करने वाल प्रथम - यूनानी
- सबसे प्रसिद्ध शासक - मीडर/ मिलिंडा (Meader / Milinda)
  - मिलिंड पन्हो - नागसेन द्वारा बौद्ध भिक्षु से प्रश्न
- सबसे पहले परिचय कराया
  - सोने के सिक्के
  - राजा के सिक्के
  - हेलनिस्टिक (Hellinstic कला) - गंधार कला (उत्तरी - पश्चिमी) .

शक वंश सीथियन (Seythians)
- 5 शाखा
  - इनमें से एक शाखा भारत के पश्चिमी भाग पर शासन किया (4थीं शताब्दी ईस्वी तक)
- (In 57 BC) विक्रमादित्य परमार ने शक (saka) को हराया
  - विक्रम संवत् की शुरुवात (हिंदुओं द्वारा अनुपालन)
  - राजधानी - उज्जैन

क्षत्रप (Kshatrapa) वंश
- रुद्रामन (I) प्रथम
  - जूनागढ़ शिलालेख - गिरनार (गुजरात)
  - सुदर्शन झील का मरम्मत - पुष्यमित्र वैश्य (मौर्य वंश में) द्वारा निर्मित

पार्थियन (Parthiyan)
- शक के बाद

कुषाण वंश (Ist - 3rd century AD)
- इन्हें युएझिस/ टोचरियन (Yuezhis / Tocharians) कहा जाता है।
- राजधानी - पेशावर तब मथुरा
- देवताओं के पुत्र , राजाओं के राजा
- कडफिसेस (Kadphises)- प्रथम राजवंश
- सबसे शक्तिशाली शासक - कनिष्क (द्वितीय अशोक)
- चतुर्थ बौद्ध धर्म परिषद्(महायान) का संरक्षण
- सोने के सिक्के का शुद्धतम रूप
- रेशम मार्ग पर नियंत्रण
- भारतीय समाज पर प्रभाव
  - मिट्टी के बर्तन - लाल बर्तन
  - परिचय - घुड़सवार तकनीक , पगड़ी, शेरवानी
- राजव्यवस्था
  - क्षत्रप प्रणाली (Satrap system) - सैन्य शासन (यूनानियो द्वारा रणनीति)
  - पूजा शिव एवं बुद्ध की
- साहित्य
  - बुद्धचरित - अश्वघोष
  - महावेत्रे एवं दिव्यादान
  - कामसूत्र - वात्सायन
- विज्ञान
  - औषधि - चरकसंहिता (चरक द्वारा)
  - सुश्रुत - शल्य चिकित्सा के जनक

संगम काल

संगम
- कुल 3 संगम
- पांड्यों द्वारा संरक्षण दिया गया
- मुचंगम (तमिल क्षेत्र) में आयोजित
- प्रथम - मदुरै - (अगस्तस्य)
- दूसरा - कपाडापुरम (तोलकाप्पियार)
  - व्याकरणिक तमिल पाठ - तोल्काप्पियम (Tolkappiyam)
- तीसरा-मदुरै (नक्कीरार)

पांडेय (Pandaya)
- तमिलनाडु में शासन
- राजधानी - मदुरै (वैगई का तट)
- प्रतीक - मछली
- प्रथम उल्लेख - मेगस्थनीज
- मोतियों के लिए प्रसिद्ध
- रोमनों के साथ व्यापार
- बंदरगाह - कोरकाई
- समाज
  - शासक वर्ग - अरासर
  - धनी किसान - वेल्लालर
  - सबसे निम्न श्रेणी - कदैसियार

चोल
- चोलमंडलम के नाम से जाना जाता है
- पेन्नार और वेलार नदी के बीच
- पूर्वोत्तर से पंड्या
- राजधानी उरैयुर और पुहार (कावेरीपट्टनम के नाम से जाना जाता है) (बंदरगाह शहर)
- सूती कपड़े का व्यापार किया जाता है
- सबसे प्रारंभिक शासक - एलारा
- सबसे महान शासक - करिकाला (वन्नी का युद्ध)
- प्रतीक - बाघ

चेरा (chera)
- केरल, तमिलनाडु में शासन
- राजधानी-वंजजी/वांची
- बंदरगाह - मुज़रिस और टोंडी
- ऑगस्टस मंदिर - मुज़िरस
- रोमनों से संबंध
- प्रतीक - धनुष और बाण
- सबसे बड़ा चेरा - सेनगुट्टुवन (लाल चेरा)
- पूजा - कन्नगी (शुद्धता की देवी)

साहित्य
- साहित्य के रूप
  - कथा (कहानी)
    - सामूहिक रूप से मेलकन्नक्कू कहा जाता है
    - 8 प्रमुख रचना
  - उपदेशात्मक (काव्यात्मक)
    - सामूहिक रूप से किलकनक्कू कहा जाता है
    - 18 छोटी रचना - अकाम (प्रेम) और के बारे में। पुरम (युद्ध)
- सिलापथिकम (इलंगो आदिगल द्वारा)
  - कोवलम, कन्नगी (पत्नी) और माधवी (दासी और प्रेमी) की कहानी
  - कन्नगी - केरल में पवित्रता और शुद्धता की देवी
- मणिमेगालाई (सत्तोनार द्वारा)
  - कवलम और माधवी की बेटी के बारे में

भूगोल
- थिनैस - भौगोलिक क्षेत्र (कुल - 5)
  - प्रत्येक का मुखिया - मुवेन्द्र
  - कुरिन्सी शिकार और गैटरिंग
  - पलाई मवेशी उठाना और लूटना
  - मुलई - पशुपालन
  - मरुतंम - कृषि
  - नायटल - मछली पकड़ने और नमक निर्माण
- बिन्दुसार दो समुद्रों के बीच की भूमि का विजेता था
- अशोक शिलालेख - करालापुत्र (चेर), सत्यपुत्र, चोल, पांड्य, ताम्रपर्णी (श्रीलंका के लोग)

गुप्त काल
310AD - 540AD

गुप्त/ श्री गुप्त
- संस्थापक
- घटोत्कच (बेटा)

चंद्रगुप्त ।
319AD - 334AD
- उपाधि - महाराजाधिराज
- पती - कुमारदेवी (लिच्छिवी राजकुमारी)
- गुप्त युग की शुरुवात (320AD)
- सोने के सिक्के - दिनार (अधिक संख्य में सिक्के)

समुद्रगुप्त
335AD - 380AD
- राजवंश का महान राजा
- कमी पराजित नही हुआ
- उसके शास्तकाल का अभिलेख
  - प्रयाग प्रशस्ति - इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख (हरिसेन द्वारा)
- भारत का नेपोलियन (वी० ए० स्मिथ)
- उपाधि - कविराज , परम भगवत् , सर्वराज औच्छेत्ता (सभी राजाओं को परास्त करने वाला)
- सिक्के की वीणा बजाना
- अश्वमेध यज्ञ किया

चंद्रगुप्त 2
380AD - 414AD
- रामगुप्त की कहानी (भाई)
  - ताँबे की सिक्के के लिए प्रथम
- ध्रुवदेवी (भाई की पत्नी)
- शक आक्रमणकारी को मार गिराया
- उच्चतम जलांक (watermark) सबसे बड़े क्षेत्र पर शासित
- वैवाहिक रिश्ता गठबंधन किया - प्रभावती के साथ शादी (रूद्रसेन की बेटी) (वाताका राजकुमार)
- चाँदी का सिक्का प्रारंभ करने वाला प्रथम (शक को हराने के बाद)
- मेहरोली (लोहा स्तंभ शिलालेख)
- नवरत्न
  - अमरसिम्हा
  - धवंतरी
  - हरिसेन
  - कालीदास (भारत का शेक्सपियर)
  - कहपनाका
  - संकु
  - वराहमिहिर
  - वररुचि
  - वेतालभट्ट
- उपाधि - विक्रमादित्य
- फाह्यान (प्रथम चीनी यात्री)
- कालीदास की किताबें
  - अभिज्ञान शाकुंतलम
  - मालविकाग्निमित्रम
  - रघुवंशम्
  - मेघदूत
  - कुमार संभवम
  - ऋतुसंहार
- मृच्छकटिक (शुद्रक द्वारा)
  - चारदत्त एवं वसंतसेना की प्रेम कहानी
  - छोटी मिट्टी कला के रूप में जाना जाता है।

कुमारगुप्त ।
415AD - 455AD
- मध्य भारत से हूणों द्वारा आक्रमण
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की

स्कंदगुप्त
455AD - 461AD
- हुणों का सफलतापूर्वक विरोध किया
- उपाधि - विक्रमादित्य
- प्रशासन
  - साम्राज्य (विकेन्द्रीकृत प्रशासन)
    - भूक्ति उपरिकों के प्रभार अन्तर्गत (जिलों में विभाजित)
    - विषय - विषयपति के अधीन
    - विथिस - नगरपति के अधीन
    - गाँव - ग्रामिका के अधीन
  - अधिकारी
    - कुमारामात्य - प्रांतीय अधिकारी
    - महादंड नायक - दंड के लिए उत्तरदायी अधिकारी
    - संधिविग्रहिका - युद्ध एवं न्याय अधिकारी
  - सेनाभक्ति - ग्रामीणों को उस गाँव से गुजरने वाली सेना को खाना खिलाना पड़ता था।
  - कर
    - भाग - उपज का 1/6th हिस्सा
    - भोग - राजा को फल , फूल आदि की आवधिक आपूर्ति
    - बलि
    - उपरिकरा - अतिरिक्त कर
    - विष्टि - जबरन श्रम
  - संस्कृति
    - वराह की मूर्ति पृथ्वी देवी की रक्षा
      - वराह - भगवान विष्णु के अवतार ((a great boar)
      - चंद्रगुप्त 2 द्वारा निर्मित
      - उदयगिरी , मध्य प्रदेश में
    - दशावतार मंदिर (झाँसी, UP)
    - भीतरगांव मंदिर (कानपुर, UP)
      - भगवान कृष्ण को समर्पित
      - सबसे पुराने ईटों का मंदिर
- स्रोत - भितारी स्वंभ शिलालेख

गुप्तोत्तर काल

पल्लव
- सिम्हा विष्णु (संस्थापक)
- राजधानी - काँचीपुरम
- महान् शासक - महेन्द्रवर्मन ।
- नरमसिंहवर्मन । (630AD - 668AD)
  - महेन्द्रवर्मन । का बेटा
  - पुलकेशिन ॥ को हराया
  - उपाधि - वातापीकोंडा
- वास्तुकला
  - शोर (shore) मंदिर , महाबलिपुरम्

राष्ट्रकुट
- दंतिदुर्ग (संस्थापक)
- राजधानी - मान्यखेत
- कृष्ण । (दंतिदुर्ग का बेटा)
  - निर्माण - एलोरा में कैलाश मंदिर(अखंड/ एक चट्टानी मंदिर)
- अमोधवर्ष (814AD - 878AD)
  - जैन धर्म में परिवर्तित

चालुक्य
- बादामी चालुक्य
  - जयसिम्हा (संस्थापक)
  - राजधानी - वातापी
  - पुलकेशिन। (543AD - 566AD)
    - सबसे शक्तिशाली राजा
    - बड़ा बेटा - कीर्तिवर्मन (मृत्यु)
    - मंगलेश (भाई) राजा बना
    - छोटा बेटा - पुलकेशिन ॥ (मंगलेश को मारा)
  - पुलकेशिन ॥ (610AD - 642AD)
    - वंश का महान् राजा
    - हर्षवर्द्धन को पराजित किया
    - महेन्द्रवर्मन । (पल्लव राजा) को पराजित किया
    - नरसिम्हावर्मन । (महेन्द्रवर्मन का बेटा) द्वारा पराजित गया
    - उपाधि - वातापीकोंडा (वातापी का विजेता/ जीतने वाला)
    - ऐहोल - पुलकेशिन ॥ के बारे में (रविकीर्ति द्वारा)
- पश्चिमी चालुक्य
- पूर्वी चालुक्य
- चालुक्य वास्तुकला
  - वेसर शैली नागरा + द्रविड़
  - रवाना पहाड़ी गुफा , ऐहोल
  - लाड खान मंदिर , ऐहोल
  - मेहराबदार (Apsidal) विमान पर निर्मित दुर्गा मंदिर
  - हुचिमालिगुडी मंदिर , ऐहोल
  - पट्टादकल मंदिर (कुल 10 मंदिर)
  - विरूपाक्ष मंदिर - द्रविड़ शैली
  - बाणेश्वर मंदिर - द्रविड़ शैली

पुष्यभूति / वर्धन वंश
- पुष्यभूति (संस्थापक)
  - थानेश्वर , हरियाणा में
- प्रभाकर वर्धन (पुष्यभूति का बेटा)
  - राज्यश्री (पुत्री) , राज्य वर्धन (बड़ा बेटा) , एवं हर्षवर्धन (छोटा बेटा)
- हर्षवर्द्धन (606AD - 647AD)
- राजधानी - कन्नौज
- ध्रुवसेन ॥ को हराया (वल्लभी , गुजरात का शासक)
- पुलकेसिन ॥ (चालुक्य नरेश) को निर्मदा नदी के किनारे हराया
- शैव था
- उपाधि - सकलोत्तारपथनाथ (उत्तर भारत की भूमि) (चालुक्य शिलालेख द्वारा
- यात्री - ह्वेन त्सांग / जुआंग - जांग (1400 वर्ष पहले)
- बौद्ध धर्म का संरक्षण
- सभाएँ आयोजित
  - कन्नौज - ह्वेन त्सांग के सम्मान में
  - प्रयाग - प्रत्येक 3 वर्ष पर (गंगा , यमुना , सरस्वती के संगम)
- पुस्तकें
  - रत्नावली
  - नागनंद
  - प्रियदर्शिका
  - हर्षचरित (जीवनी) बाणभट्ट द्वारा
  - कादंबरी - बाणभट्ट द्वारा

प्रारंभिक मध्यकाल

त्रिपक्षीय संघर्ष 790AD

- गुर्जर प्रतिहार - पश्चिमी भारत
  - नागभट्ट प्रथम (संस्थापक)
- पाला (palas)- पूर्वी भारत
  - गोपाल (संस्थापक) ओदंतपुर के संस्थापक
  - धर्मपाल (गोपाल का पुत्र) - विक्रमशिला के संस्थापक, ने इंद्रायुध को हराया
- राष्ट्रकूट - दक्षिणी भारत

चोल साम्राज्य

- विजयालय (संस्थापक)
  - पल्लवों का सामंत
  - मुत्तरैयार से तंजौर/तंजावुर पर कब्ज़ा कर लिया
  - देवी निशुंभसुदेवी के लिए मंदिर बनवाया
- राजा राजा । (985-1014AD)
  - त्रिवेन्द्रम में चेरों को हराया
  - पांडवों को हराया और मदुरै पर विजय प्राप्त की
  - श्रीलंका पर आक्रमण किया
- राजेन्द्र । (1012-1044AD)
  - महमूद गजनवी के समकालीन
  - दक्षिण भारत का नेपोलियन
  - पूरी तरह से चेरों और पंड्या पर काबू पा लिया ।
  - श्रीलंका पर पूर्णतः कब्ज़ा कर लिया
  - गंगा को पार किया और बंगाल के 2 स्थानीय राजाओं को हराया
  - उपाधि -गंगईकोंडचोला
  - नया नगर बसाया - गंगईकोंडचोलपुरम
  - श्री विहाया साम्राज्य और सेलेंड्री राजवंश के विरुद्ध नौसेना अभियान चलाया ।
- चोल ने कल्याणी के चालुक्यों से युद्ध किया
- 13वीं शताब्दी के आरंभ में चोल साम्राज्य का पतन हो गया
- चोलों का स्थान पाण्डय और होयसला ने लिया
- बाद के चालुक्यों का स्थान -यादवों और काकतीयओं ने ले लिया
- सरकार
  - स्थानीय/ग्राम सरकार के लिए जाना जाता है
  - 2 सभाएँ
    - उर (Ur) - (आम लोग)
    - सभा - (विद्वान ब्राह्मण)
  - गाँव के मामलों का प्रबंधन कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता ।
    - चुनाव होता था
    - समिति का प्रत्येक सदस्य 3 वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता था
    - केवल संपत्ति/जमीन वाले लोग ही चुनाव में भाग ले सकते हैं

चोल साम्राज्य

- भूमि दान
  - ब्रह्मादेय (ब्राह्मणों के लिए)
  - वेल्लनवगी (गैर-ब्राह्मणों के लिए)
  - देवदान (मंदिरों में)
  - पल्लीचंदम (जैन समुदाय के लिए)
- कर
  - वेट्टी (जबरन मजदूरी)
  - कदमाई (भू-राजस्व)
- मंदिरें
  - बृहदेश्वर मंदिर / राजराजेश्वर मंदिर
    - तंजौर में- (राजा राजा प्रथम द्वारा)
    - गंगैकोण्डचोलपुरम में - (राजेन्द्र । द्वारा)
  - कुंभकोणम में ऐराबतेश्वर मंदिर (राजा राजा द्वितीय द्वारा)
  - कंदारिया महादेव मंदिर - मध्य प्रदेश में (चंदेल राजवंश द्वारा)
- शिव की नृत्य करती हुई आकृति
  - नटराज तांडव करते हुए
  - लॉस्ट वैक्स तकनीक का उपयोग करके कांस्य से बना ।

दिल्ली सल्तनत 1206-1526AD

विदेशी आक्रमण

- प्रथम मुस्लिम आक्रमण - मोहम्मद बिन कासिम (712AD)
  - अरब आक्रमणकारी
  - उमय्यद साम्राज्य
  - भारत के सिंध भाग में
  - राहा दाहिर (ब्राह्मण) को मार डाला
- प्रथम तुर्क आक्रमण - मोहम्मद ग़ज़नवी (998-1030AD)
  - देश - तुर्कमेनिस्तान
  - 17 बार आक्रमण
  - कारण-लूट और बदला (सुबुक्तिगिन (उसके पिता) की मृत्यु के लिए)
  - प्रथम आक्रमण - 1001AD
  - शाहनामा - (फ़िरदौसी द्वारा)
  - तहक़ीक़-ए-हिन्द (अल बरूनी द्वारा)
- दूसरा तुर्क आक्रमण - मोहम्मद गोरी (1175-1206AD)
  - प्रथम आक्रमण मुल्तान में (1175ई.)
  - गुजरात पर दूसरा आक्रमण, भीम द्वितीय द्वारा पराजित (1178ई.)
  - तराइन का पहला युद्ध
    - 1191 में
    - गोरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच
  - तराइन का दूसरा युद्ध
    - 1192 में
    - गोरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच
  - पृथ्वीराज रासो (चंद्र बरदाई द्वारा)
  - पृथ्वीराज रानी (सोमेश्वर)- (कर्पूरा देवी द्वारा)
  - गोरी और जय चंद के बीच चंदावर का युद्ध (1194 ई.)।
  - गोरी के गुलाम
    - कुतुबुद्दीन ऐबक (गौरी का सेनापति) ने तराइन के युद्ध में सहायता की थी
    - यल्दुज़
    - कुबाचा
    - बख्तियार खिलजी - (नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट किया)

गुलाम वंश 1206-1290AD

- मामलुक राजवंश के नाम से जाना जाता है
- शासक इल्बारी जनजाति से संबंधित थे।
- कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210AD)
  - राजधानी लाहौर
  - उपाधि - लाख बक्श (लाखों का दाता)
  - मृत्यु-1210, (पोलो/चौगान खेलते समय)
  - मस्जिदों
    - कुवत-उल-इसियाम (दिल्ली)
    - अढ़ाई दिन का झोपड़ा (अजमेर)
  - कुतुब मीनार का निर्माण शुरू हुआ, (सूफी संत ख्वाजा कुतुबुद्दीन भक्तियार काकी के सम्मान में)
  - हसन-उन-नज़ामी (ताज-उल-मास्सिर द्वारा)
  - फखरुद्दीन (तारीख-ए-मुबारक शाही द्वारा)
- शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (1211-1236AD)
  - कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद
  - राजधानी दिल्ली (लाहौर से)
  - चंगेज खान के प्रकोप से दिल्ली सल्तनत को बचाया (मृत्यु - 1227 ई.)
  - वज़ीर (PM)-निज़ाम-उल-मुल्क
  - सिक्का
    - टंका चांदी का सिक्का
    - जीतल कोप्पे सिक्का
  - इक्ता प्रणाली- भूमि का टुकड़ा
  - 40 दासों का समूह चहलगानी चालीसा

गुलाम वंश 1206-1290AD

- रजिया सुल्तान (1236-1240AD)
  - इल्तुतमिश की पुत्री
  - भारत पर शासन करने वाली पहली और एकमात्र मुस्लिम महिला
  - (1240 ई.) रजिया की हत्या खोखर जनजाति द्वारा की गई, (कैथल (हरियाणा) के पास)।
  - तबकात-ए-नासिरी - (मिन्हाज अल सिराज द्वारा)
- गयासुद्दीन बलबन (1266-1287AD)
  - उन्होंने चालीसा की शक्ति को तोड़ दिया और ताज की प्रतिष्ठा बहाल की।
  - स्थापित - दीवान-ए-अर्ज़ (सैन्य विभाग)
  - उपाधि - ज़िल-ए-इलाही (अल्लाह की छाया / अफरासियाब के वंशज)
  - सिजदा - (सम्राट के सामने साष्टांग प्रणाम)
  - पैबोस (सम्राट के पैर चूमते हुए)
- ख़ैकुबाद (अंतिम शासक)

PARMAR SSC

दिल्ली सल्तनत 1206-1526AD

खिलजी वंश 1290-1320AD

- जलालुद्दीन खिलजी (1290-1296AD)
  - खिलजी वंश के संस्थापक
- अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316AD)
  - जलाउद्दीन का भतीजा
  - कब्ज़ा
    - गुजरात - 1298AD
    - रणथंभौर - 1301AD
    - मेवाड़ - 1303AD राजधानी - चित्तौड़
    - मालवा - 1305AD
    - जालोर - 1311AD
  - मलिक काफ़ूर (एनंच) - अलाउद्दीन की सेना का दक्कन में नेतृत्व किया एवं हराया
    - राम चंद्र यादव देवगिरी के शासक
    - प्रताप रुद्रदेव-
    - वारंगल के काकतीय शासक
    - वीर बतियाल तृतीय - द्वारसमुद्र का हयासाल शासक
    - मदुरै के वीर पंड्या पांडिया शासक
    - अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद (1316 ई. में) हजारदीनारी ने सिंहासन पर कब्ज़ा कर लिया।
  - उपाधि
    - सिकंदर-ए-सैनी (दक्कन अभियान के बाद) ।
    - सुल्तान-ए-जहाँ (आमिर खुसरो द्वारा)।
  - प्रशासनिक सुधार
    - दाग (घोड़े की ब्रांडिंग)
    - चेहरा (Chehra)(सैनिकों की वर्णनात्मक उपस्थिति)
    - मुस्तखराज - राजस्व एकत्र करना
    - 3 प्रकार का कर लगाया जाता था।
      - ख़राज - जमीन पर टैक्स
      - घराई - गृह कर
      - चराई - पेस्टोरल टैक्स
      - ज़कात-अमीर मुसलमानों पर (उन 3 से भिन्न)
      - जजिया - गैर-मुसलमानों को (मो. बिन क़ासिम द्वारा पहली बार)
    - दिल्ली में 3 बाज़ार स्थापित किये
      - सबसे पहले खाद्यान्न के लिए
      - दूसरा - महंगे कपड़े के लिए
      - तीसरा - घोड़ों, दासों और मवेशियों के लिए
    - शाहना - प्रत्येक बाजार को नियंत्रित करना(व्यापारियों का रजिस्टर बनाए रखना और दुकानदारों और कीमतों को सख्ती से नियंत्रित करना
    - दीवान-ए-रियासत और शाहना-ए-मंडी चेक बाजार
    - सारा-ए-अदल - बिक्री के लिए सभी सामान इस खुले बाजार में लाए जाते थे ।
    - इसके द्वारा निर्माण
      - अलाई किला
      - अलाई दरवाजा - कुतुब मीनार का प्रवेश द्वार
      - हजार सुतुन - हजार खंभों का जगह
      - हौज खास - टंकी
      - अलाउद्दीन का मकबरा - दिल्ली
    - दिल्ली के दूसरे शहर - सिरी की स्थापना की
    - कला और शिक्षा के संरक्षक
    - दरबारी कवि - अमीर खुसरो
      - उपाधि - तूती-ए-हिन्द (भारत का तोता)
      - भारत में कव्वाली की शुरुआत की
- मुबारक खान - (1316-1320AD)
- खुसरो खान - 1320AD (अंतिम शासक)

लोदी वंश 1451-1526AD

- बहलोल लोदी (1451-1488AD)
  - संस्थापक
  - वह अफगान सरदार था।
  - पंजाब में खुद को स्थापित किया
- सिकंदर लोदी (1489-1517AD)
  - राजधानी दिल्ली से आगरा
  - खेती वाले खेतों को मापने के लिए 32 अंकों का गज़-ए-सिकंदरी (सिकंदर का यार्ड) ।
  - वह एक कवि थे
  - गुलरुखी उपनाम से फ़ारसी में कविताएँ लिखीं
  - मोठ की मस्जिद बनवाई
- इब्राहिम लोदी (1517-1526AD)
  - बाबर के साथ पानीपत का युद्ध लड़ा (1526 में)

सैय्यद वंश 1414-1450AD

- ख़िज्र खान (1414-1421AD)
- मुबारक शाह (1421-1434AD)
- मुहम्मद शाह (1434-1443AD)
- आलम शाह (1443-1451AD)

तुगलक वंश 1320-1414AD

- गयासुद्दीन तुगलक (1320-1325AD)
  - खुसरो खां की हत्या गाजी मलिक ने कर दी थी
  - गाज़ी मलिक ने गियासुद्दिंग तुगलक की उपाधि धारण की
  - एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई
  - उसका पुत्र जौना (उलुग खान) मोहम्मद बिन तुगलक की उपाधि से उसका उत्तराधिकारी बना
- मोहम्मद बिन तुगलक (1325-1351AD)
  - सबसे लंबा साम्राज्य
  - यात्री- इब्न बतूता (मोरक्को से)
  - रिहाल (इब्न बतूता द्वारा)
  - तारीख़-ए-फ़िरोज़ शाही और तारीख़- ए- जहाँदारी - (ज़ैउद्दीन बरनी द्वारा)
  - सबसे बुद्धिमान मूर्ख के रूप में जाना जाता है
  - दोआब में कराधान (1326 ई.)
  - राजधानी - दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरि) (1327 ई. में)
  - ख़ुरासान अभियान- (1329ई.)
  - कराचिल अभियान (1330 ई.)
  - सांकेतिक मुद्रा - उच्च मूल्य वाली कांस्य मुद्रा (1329AD)
- फिरोज शाह तुगलक (1351-1388AD)
  - वाजेहा सैनिकों , को नकद में नहीं बल्कि गाँवों के भू-राजस्व पर असाइनमेंट द्वारा भुगतान किया जाता था
  - जजिया एक अलग कर बन गया
  - कुरान द्वारा 4 प्रकार के कर लगाए गए
    - ख़राज - भूमि की उपज का 1/10 भाग
    - ज़कात-संपत्ति पर 2% कर ।
    - जजिया - गैर-मुसलमानों पर लगाया जाता है
    - Khams - 1/5 of the booty captured during war
  - हक-ए-शर्ब या हासिल-ए- शर्ब लगाया गया - जल कर
  - निर्माण - फतेहाबाद, हिसार, जौनपुर और फिरोजाबाद
  - दार-उल-शिफ़ा - दिल्ली में एक अस्पताल
  - दीवान-ए-खैरात का नया विभाग - (गरीब लड़कियों की शादी के लिए)
  - उनके PM - खान-ए-जहाँ मकबूल
  - इक्ता व्यवस्था को वंशानुगत बनाया गया
- तैमूर आक्रमण (1398ई.)
  - तैमूर मंगोल था।
  - इस दौरान अंतिम शासक था - मुहम्मद शाह तुगलक

केन्द्रीय प्रशासन

- दीवान-ए-विज़ारत - वित्त विभाग
- दीवान-ए-आरिज़- सैन्य विभाग
- दीवान-ए-इंशा - पत्राचार विभाग
- दीवान-ए-रिसालत - अपीलीय विभाग
- दीवान-ए-मुस्तखराज - बकाया विभाग (आउद्दीन खिलजी)
- दीवान-ए-रियासत - वाणिज्य विभाग
- दीवान-ए-कोही - कृषि विभाग (मो. बिन तुगलक)
- दीवान-ए-बंदगान - दासों का विभाग
- दीवान-ए-खैरात - दान विभाग (फ़िरोज़ शाह तुगलक)
- दीवान-ए-इस्तियाक - पेंशन विभाग

विजयनगर

विजयनगर
- अर्थ - विजय का शहर
- हम्पी के खंडहर - कॉलिन मैकेंज़ी द्वारा (1800 में)
- राजधानी - हम्पी
- कर्नाटक साम्राज्यमु (समकालीनों द्वारा) के नाम से जाना जाता है ।
- कुदिराई चेट्टिस - व्यापारियों के स्थानीय समुदाय
- समकालीन शासक - अश्वपति शासक (दक्कन के सुल्तान) और गजपति शासक (उड़ीसा
- हरिहर और बुक्का (संस्थापक)
  - संस्थापक - संगम
- काकतीय के सामंत
- विजयनगर साम्राज्य दक्कन में बहमनी साम्राज्य के दक्षिण में स्थित था

वास्तुकला
- महानवमी डिब्बा
- कमलापुरम टैंक (सीढ़ीदार टैंक) कृष्ण देव राय द्वारा
- कमल मंदिर
- हाथी अस्तबल (11 हाथी)

यात्री
- निकोलो डे कोंटी - देव राया द्वितीय
- फ़र्नाओ नुनिज़ - अच्युत राया

संगम राजवंश 1336-1485AD
- हरिहर और बुक्का (1336-1356AD)
  - यात्री इब्न बतूता (मोरैको)
- देव राय द्वितीय (1423-1446AD)
  - यात्री अब्दुर रज़ाक़ (फारस)

सालुव राजवंश 1486-1505AD
- सालुव नरसिम्हा (1486-1491AD)
  - संस्थापक

तुलुवा राजवंश 1505-1570AD
- वीर नरसिम्हा (1505-1509AD)
  - संस्थापक
- कृष्ण देव राय 1509-1529AD
  - सलुवा तिम्मा (वीरा नरसिम्हा के मुख्यमंत्री) ने कृष्णदेव राय (वीरा नरसिम्हा के भाई) को सिंहासन पर बैठाया
  - निर्माण
    - विजय महल (विजय का घर)
    - Hazara Rama temple
    - विठ्ठल स्वामी मंदिर
  - उपाधि
    - यवनराज स्थापनाचार्य (यवन साम्राज्य अर्थात बीदर साम्राज्य को पुनर्स्थापित करने वाला
    - अभिनव भोज
    - आंध्र भोज
    - आंध्र पितामह
  - (उनकी माँ के नाम पर) नागालपुरम की स्थापना की
  - तेलुगु और संस्कृत दोनों के विद्वान
  - राजव्यवस्था पर तेलुगु रचना अमुक्तमाल्यदा
  - संस्कृत नाटक जाम्बवती कल्याणम
  - यात्री डुआर्टे बारबोसा और डोमिनिगो पेस (पुर्तगाली)
  - अष्टदिग्गज (उनके दरबार में)
    - तेनालीराम

अराईविद्दु राजवंश 1570-1650AD
- तालीकोटा का युद्ध / राक्षसी तांगडी का युद्ध (1565ई.)
  - अराईविद्दु की स्थापना से पहले
  - आलिया राम राया - दक्कन के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप कर रहा था।
- श्री रंगा तृतीय (1678ई.) अंतिम शासक
- प्रशासन
  - अमर नायक - राया (शासक) के अधीन नायक (सैन्य प्रमुख)
  - अयंगार प्रणाली - 12 सदस्यीय कमिटी

बहमनी राज्य

अलाउद्दीन हसन बहमन शाह 1347-1358AD
- हसनगंगु के नाम से जाना जाता है
- बहमनी साम्राज्य की स्थापना की
- राजधानी - गलबर्गा (पहली राजधानी)
- काकतीय (वारंगल के) को पराजित किया

ताजुद्दीन फ़िरोज़ शाह 1397-1422AD
- देवराय प्रथम को हराया
- इसके बाद की लड़ाई में हार मिली

अहमद शाह वली 1422-1435AD
- राजधानी गुलबर्गा से बीदर तक

मुहम्मद कुली कुतुब शाह
- गोलकुंडा किला बनवाया
- चारमीनार का निर्माण किया
- कुतुब शाही वंश का सबसे महान शासक
- स्थापना - हैदराबाद

इब्राहिम आदिल शाह
- अदालती भाषा के रूप में दखिन्नी
- गोल गुम्बज - व्हिस्परिंग गैलरी के लिए प्रसिद्ध है

बहमनी साम्राज्य का विघटन
- बरार- 1484 ई. फताउल्लाह इमाद शाही (इमाद शाही)
- बीजापुर 1489 ई. यूसुफ आदिल शाह (आदिल शाह)
- अहमदनगर 1490ई. मलिक अहमद (निज़ाम शाही)
- गोलकुंडा 1518ई. कुली कुतुब शाह (कुतुब शाही)
- बीदर-1526-27ई. अमीर अली बारिद (बरीद शाही)

भक्ति आंदोलन

मुख्य विशेषताएं
- अनुष्ठान और बलिदान त्यागे गए
- अद्वैतवाद-संबंधी
- ईश्वर का या तो आकार है या निराकार
  - रूप - सगुण
    - शिव - नयनार
    - विष्णु - अलवर
      प्रथम महिला - अंडाल (भक्ति आंदोलन की प्रवर्तक)'
  - निराकार - निर्गुण

सिख गुरु
- गुरु नानक देव
  - 1469 से 1539 तक
  - जन्म - तलवंडी
  - मृत्यु - करतारपुर
  - लंगर व्यवस्था शुरू की
- गुरु अंगद देव
  - 1539 से 1552 तक
  - गुरुमुखी लिपि का परिचय दिया
- गुरु अमरदास साहिब
  - from 1552 to 1574
  - अकबर के समकालीन
- गुरु राम दास
  - 1574 से 1581 तक
  - अमृतसर के संस्थापक
- गुरु अर्जन देव
  - 1581 से 1606 तक
  - आदि ग्रंथ का संकलन किया गया
  - स्वर्ण मंदिर का निर्माण पूरा किया
  - जहाँगीर द्वारा मृत्यु
- गुरु हर गोबिंद साहिब
  - 1606 से 1644 तक
  - अकाल तख्त की स्थापना (1609)
- गुरु हर राय साहिब
  - 1644 से 1661 तक
  - औरंगज़ेब के समकालीन
- गुरु हर कृष्ण साहिब
  - 1661 से 1664 तक
  - औरंगज़ेब के समकालीन
- गुरु तेग बहादुर साहिब
  - 1665 से 1675 तक
  - औरंगजेब द्वारा मृत्यु
- गुरु गोबिंद सिंह साहिब
  - 1675 से 1708 तक
  - अंतिम गुरु
  - खालसा पंथ की शुरुआत की

दर्शन
- विशिष्टाद्वैत - रामानुजाचार्य (आत्मा ब्रह्म का अंश है)
- द्वैताद्वैत/भेदभेद निम्बार्काचार्य
- द्वैत माधवाचार्य
- शुद्धाद्वैत - वल्लभाचार्य
- अद्वैत - शंकराचार्य
- द्वैत द्वैतवाद
- शुद्धाद्वैत का विश्वास था
  - दुनिया यथार्थवादी है
  - मूर्तिपूजा
- श्री शंकराचार्य का मानना था
  - जीवन और संसार एक मिथक है
  - मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते थे

भक्ति संत
- रामानुज (1017-1137)
  - विशिष्टाद्वैत की स्थापना की
- रामानन्द (14-15 centuary)
  - निर्गुण संप्रदाय से संबंधित (उत्तर भारत से)
  - शिष्य - कबीर दास
- कबीर (1400-1510)
  - कबीर का दोहा - हिंदू/इस्लामी धर्म की आलोचना करता है
  - निर्गुण संप्रदाय से हैं
- गुरु नानक (1469-1538)
  - निर्गुण सम्प्रदाय से हैं
- चैतन्य (1486-1533)
  - बंगाल वैष्णववाद - बंगाल में भक्ति आंदोलन का प्रचार
  - गौड़ीय राजा
- विद्यापति (14-15 Centuary)
  - रचना पदावली - राधा और कृष्ण के प्रेम गीत
- पुरंदर दास (1480-1564)
  - कर्नाटक संगीत के जनक (दक्षिण भारतीय संगीत)
  - कर्नाटक से
- वल्लभाचार्य (1479-1531)
  - शुद्धाद्वैत दर्शन दिया
  - पुष्टिमार्ग का दर्शन दिया
- मीराबाई (1498-1546)
  - वल्लभाचार्य के शिष्य
  - राणा सांगा की पुत्री (मेवाड़ के)
  - राठौड़ राजकुमारी
  - कृष्ण भक्त
- सुरदास (1483-1563)
  - अंधा
  - आगरा के
  - कृष्ण भक्त
- तुलसीदास (1532-1623)
  - राम भक्त
  - प्रसिद्ध रचना - रामचरित्रमानस, कवितावली, गीतावली
- दादू दयाल (1544-1603)
  - निर्गुण सम्प्रदाय के थे
  - दादू पंथ के संस्थापक
- शंकर देव (1449-1568)
  - पूरे असम में भक्ति आंदोलन फैलाया
  - सत्रिया नृत्य के संस्थापक
  - gave Borgect
- त्यागराज (1767-1847)
  - तमिलनाडु से
  - राम भक्त

महाराष्ट्र धर्म के भक्ति संत
- ज्ञानेश्वर/ज्ञानदेव (1271-1296)
  - महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन के संस्थापक
  - भावार्थदीपिका (भगवद्गीता की टीका) लिखी
- नामदेव (1270-1350)
  - वारकरी संप्रदाय के संस्थापक
- एकनाथ (1533-1599)
  - भवर रामायण लिखी
- तुकाराम (1598-1650)
  - अभंग (भक्ति काव्य) लिखा
- रामदास (1608-1681)
  - दासबोध (उनके उपदेशों का संकलन) लिखा

सूफी आंदोलन

उत्पत्ति
- काफिर की भूमि (जहाँ केवल हिंदू रहते थे) को इस्लाम की भूमि (दार-उल-हर्ब) में शामिल किया गया
- जिहाद (धार्मिक युद्ध) के माध्यम से
- मुजाहिद (जिहाद पर जन्नत प्राप्त करता है)

सूफी शब्द और उनके अर्थ
- तसव्वुफ़ - सूफीवाद
- शेख/पीर/मुर्शिद - आध्यात्मिक शिक्षक
- मुरीद - शिष्य
- खलीफा - उत्तराधिकारी
- खानकाह - धर्मशाला
- सम्मा संगीतमय गायन
- रक्सा - नृत्य
- फना - आत्म विनाश
- जियारत - सूफी संतों की कब्रों की तीर्थयात्रा

सूफी संत
- ख्वाजा अली हुज्जविरी (11वीं शताब्दी)
  - दाता गंज बक्श के नाम से जाना जाता है
- शेख बहाउद्दीन ज़कारिया (1182-1262)
  - भारत में अग्रणी खानकाह की स्थापना (मुल्तान में)
  - सुहारा-वर्दी संप्रदाय के संस्थापक
- ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (1141-1236)
  - चिश्ती संप्रदाय के संस्थापक
- चिश्ती संप्रदाय के अन्य संत
  - शेख हमीदुद्दीन नागौरी (1192-1274)
  - ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
    - कुतुबुद्दीन ऐबक (शिष्य) ने कुतुब की शुरुआत की उनके नाम पर मीनार (1206)
  - बाबा जरीदुद्दीन गंज-ए-शकर (1175-1265)
    - बाबा फ़रीद के नाम से लोकप्रिय
  - शेख निज़ामुद्दीन औलिया (1236-1325)
    - लोकप्रिय रूप से महबूब-ए-इलाही के नाम से जाना जाता है
  - शेख नसीरुद्दीन महमूद
    - बाद में उन्हें चिराग-ए-दिल्ली के नाम से जाना गया
  - सैयद मुहम्मद गेसू दराज़
    - लोकप्रिय रूप से बंदनवाज़ के नाम से जाना जाता है
- शेख बदरुद्दीन समरकंदी (13वीं शताब्दी)
  - फिरदौसी संप्रदाय की स्थापना की

मुगल साम्राज्य

बाबर 1526-1530
- ज़हीर उद-दीन मुहम्मद (मूल नाम)
- इब्राहीम लोदी को हराया (21 अप्रैल, 1526)
- दौलत खान लोदी ने उन्हें भारत आमंत्रित किया
- अपने आप को उज़्बेक कहते हैं
- युद्धों
  - (1526) - पानीपथ के युद्ध में इब्राहिम लोदी को हराया
  - (1527) - खानवा में मेवाड़ के राणा सांगा को हराया
  - (1528) - चंदेरी के मेदिनी राय को चंदेरी में हराया
  - (1529) घाघरा के युद्ध में अफगानों को हराया
- (1530) आगरा में मृत्यु हुई, काबुल में दफनाया गया
- आत्मकथा - तुजुक-ए-बाबुरी (तुर्की में)
  - (फारसी में) अब्दुर रहीम खानेखाना द्वारा अनुवादित, नाम - बाबरनामा
  - मैडम बेवरिज द्वारा अनुवादित (अंग्रेजी में) ।

हुमायूँ 1530-40 & 1555-56
- बाबर का ज्येष्ठ पुत्र
- 1530 में गद्दी पर बैठा
- भाई - कामरान, हिन्दाल, अस्करी
- शेरशाह (अफगानी शासक) के विरुद्ध युद्ध
  - चौसा (1539)
  - कन्नौज/बिलग्राम (1540)
  - शेरशाह ने दोनों युद्ध जीते
- हुमायूँनामा - गुलबदन बेगम (उनकी बहन) द्वारा उनकी जीवनी
- दीन पनाह (दिल्ली में) को अपनी दूसरी राजधानी बनाया
- शेरशाह की मृत्यु के बाद, पूर्वी भारत पर आक्रमण किया (1555 में) और अफगानों को हराया
- 1556 में मृत्यु (पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर कर) और दिल्ली में दफनाया गया

शेरशाह 1540-1545
- हसन खान (सासाराम के जागीरदार) के पुत्र
- हुमायूँ को हराने के बाद शेरशाह की उपाधि (1539 में)।
- हुमायूँ को हराने के बाद (1540 में) कन्नौज पर कब्ज़ा कर लिया
- विजय प्राप्त की
  - मालवा (1542)
  - रणथम्भौर (1542)
  - रायसेण (1543)
  - चित्तौड़ (1544)
  - कालींजर (1545)
- कालिंजर पर विजय प्राप्त करते समय (1545 में) मृत्यु हो गई
- सिक्का - रुपया
- पूरे साम्राज्य में मानक बाट और माप तय किये
- निर्माण-ग्रैंड ट्रंक रोड (जी.टी. रोड) (कलकत्ता से पेशावर)
  - यात्रियों के विश्राम हेतु सराय आश्रय स्थल
- भूमि की माप की जाती थी और औसत का 1/3 भाग भूमि कर के रूप में तय किया जाता था।
- किसान को एक पट्टा (शीर्षक विलेख) और एक काबुलियत (समझौते का विलेख) दिया जाता, जिससे किसान के अधिकार और कर तय हो जाते
- जमींदार हटा दिये गये और कर सीधे वसूल किये गये

अकबर 1556 -1605
- हुमायूँ का ज्येष्ठ पुत्र
- 13 वर्ष की आयु में (कलानौर, पंजाब में) सिंहासन पर बैठा।
- उपाधि जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाह गाजी
- बैरम खान (उनके शिक्षक) को शासक के रूप में नियुक्त किया गया था
- हेमू (पराजित) और बैरम खान के बीच पानीपत की दूसरी लड़ाई (5 नवंबर, 1556)
- अकबर ने जहां भी संभव हो राजपूतों पर जीत हासिल करने की कोशिश की और राजपूत राजाओं को मुगल सेवा में शामिल किया और उनके साथ मुगलों के बराबर व्यवहार किया।
- विवाहित - हरखा बाई (1562 में) (भारमल/बिहारीमल की पुत्री)
- राणा प्रताप सिंह और (उनके पुत्र) अमर सिंह को छोड़कर अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की सर्वोच्चता को मान्यता दी
- हल्दीघाटी का युद्ध (1576 में)
  - राणा प्रताप (मेवाड़ के) और मान सिंह (आमेर के) के नेतृत्व वाली मुगल सेना के बीच
  - राणा प्रताप (पराजित)
  - लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और संघर्ष जारी रखा
- दीन-ए-इलाही (1581 में) नया धर्म
- निर्माण
  - आगरा का किला
  - लाहौर किला
  - इलाहबाद किला
  - हुमायूँ का मकबरा (दिल्ली में)
  - फ़तेहपुर सीकरी (सलीम चिश्ती के सम्मान में)
  - बुलंद दरवाज़ा
  - अपना दरबार आगरा से फ़तेहपुर सीकरी में स्थानांतरित कर दिया

अकबर 1556 -1605
- नवरत्न - (अकबर के नौ रत्न)
  - बीरबल (प्रशासक)
  - अबुल फज़ल (विद्वान और राजनेता)
  - अबुल फज़ल के भाई फ़ैज़ी (विद्वान और राजनेता)।
  - टोडरमल (वित्त मंत्री, दहसाला बंदोबस्त/जब्ती)
  - भारमल का पुत्र भगवानदास (मनसबदार)।
  - मान सिंह (मनसबदार) भारमल का पोता
  - तानसेन (संगीतकार)
    - घराना - रीवा/ ग्वालियर
    - मूल नाम - रामतनु पांडे
    - शीर्षक - मिया (अकबर द्वारा)
  - अब्दुर रहीम खानेखाना (राजनेता, हिन्दी कवि)
  - मुल्ला दो प्याजा
- अकबरनामा - (अबुल फज़ल द्वारा) 3 भाग में
  - 1. प्रथम अकबर के पूर्वजों के बारे में
  - 2. अकबर के शासनकाल के बारे में
  - 3. तीसरी-आइन-ए-अकबरी (अकबर का प्रशासन)
- भू-राजस्व - दहसाला (10 वर्ष अनुमान)
  - पोलज
  - परौटी
  - चाचर
  - बंजर
- जजिया को समाप्त कर दिया
- मृत्यु (1605 में) और सिकंदरा, आगरा में दफनाया गया
- प्रशासन
  - मनसबदारी की शुरुआत - मनसब (रैंक) का निर्धारण जत (सिपाही) के आधार पर किया जाता था।
  - मार्जा अजीज कोका और राजा मान सिंह द्वारा सर्वोच्च रैंक 7000 तक पहुंची
  - नकद (नागदी) और जागीर (भूमि के लिए राजस्व अधिकार) के आधार पर भुगतान

मुगल साम्राज्य

जहाँगीर 1605-1627
- नूर-उद-दीन मुहम्मद सलीम (मूल नाम)
- अकबर का पुत्र
- ज़ंजीर-ए-अदल - न्याय की जंजीर (आगरा किले में)
- विवाह - मिहार-उन-निसा (1611 में)
- उपाधि - नूरजहाँ, पादशाह बेगम
- बंगाल के एक (फ़ारसी) रईस शेर अफ़गान की विधवा
- राज्य के मामलों पर जबरदस्त प्रभाव डाला
- अंग्रेज उसके दरबार में आये
  - कैप्टन विलियम हॉकिंस प्रतिनिधि - ईस्ट इंडिया कंपनी) मनसब 400 (1608 में)
  - सर थॉमस रो (इंग्लैंड राजा जेम्स प्रथम का राजदूत) (1615 ई० में) इंग्लैंड) (1615 में)
- सूरत में एक व्यापारिक बंदरगाह स्थापित करने के लिए अंग्रेजों को अनुमति दी गई
- कब्ज़ा - अहमदनगर, मलिक अंबर (एबिसिनियन) ने उसे बालाघाट का क्षेत्र सौंप दिया
- (5वें सिख गुरु) अर्जुन देव की हत्या कर दी
- राजकुमार खुर्रम (शाहजहाँ) और महाबत खान ने उसके खिलाफ विद्रोह कर दिया
- लिखा - तुज़ुक-ए-जहाँगीरी (फ़ारसी में)
- लाहौर में दफनाया गया

शाहजहाँ 1628-1658
- माँ - जगत गोसाई
- अपनी दक्कन और विदेशी नीतियों के लिए जाने जाते हैं
- निर्माण - दीवान-ए-आम और दीवान-ए-खास (मोर सिंहासन)
- पुर्तगालियों को हराया (1632 में)
- अहमदनगर पर कब्ज़ा (1637 में)
- बीजापुर और गोलकुंडा ने उसकी आधिपत्यता स्वीकार कर ली
- यात्री - बर्नियर और टैवर्नियर (फ्रेंच) निकोली मनुची (इतालवी)
- पीटर मुंडी (अकाल का वर्णन किया) जो उनके समय में पड़ा था
- कला, संस्कृति और वास्तुकला को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है
- लाल किला, जामा मस्जिद और ताज महल बनवाया
- उनके ख़राब स्वास्थ्य के कारण उनके चार पुत्रों के बीच उत्तराधिकार का युद्ध शुरू हो गया (1657 में)
- औरंगजेब (विजेता) - जुलाई 1658 में अपना राज्याभिषेक किया
- 1666 में मृत्यु हो गई, ताज, आगरा में दफनाया गया

प्रशासन
- सूबा (प्रांत) - सुबेदार/निज़ाम
- सरकार (जिला) - फौजदार, अमलगुज़ार (राजस्व संग्रहकर्ता)
- परगना (तालुका) - सिकदर, कानूनगो (राजस्व संग्रहकर्ता)
- ग्राम (गांव) - मुक़द्दम (मुखिया)

औरंगजेब 1658-1707
- धर्मत, सामुगढ़ और देवराई में दारा को हराया (1658 में)
- उपाधि - आलमगीर
- गुरु तेग बहादुर, (सिखों के 9वें गुरु) को (1675 में) पकड़ लिया और जब उन्होंने इस्लाम अपनाने से इनकार कर दिया तो उन्हें मार डाला।
- 1658-81 के शासन के पहले 23 वर्षों के दौरान उत्तर भारत पर ध्यान केंद्रित किया
- बीजापुर पर कब्ज़ा (1686 में)
- गोलकुंडा पर कब्ज़ा (1686 में)
- मुहतासिब (धार्मिक अधिकारी) नियुक्त
- मुस्लिम कानूनों का फतवा-ए-आलमगिरी
- जजिया पुनः लागू किया गया
- 1707 में मृत्यु हो गई, खुल्दबेद दौलताबाद में दफनाया गया
- जिंदा पीर (जीवित संत) कहा जाता है

बहादुर शाह प्रथम 1707-1712
- मूल नाम - शाह आलम प्रथम

जहाँदर शाह 1712-1713
- जुल्फिकार खाँ की सहायता राजा बनना बना
- जजिया समाप्त कर दिया गया

फ़ारुख़सियार 1713-1719
- सैय्यद भाई की सहायता से राजा बनें
- सैय्यद भाई ने मराठों की सहायता से उसकी हत्या कर दी

मुहम्मद शाह 1719-1748
- नादिर शाह का आक्रमण (1739)
- रंगीला बादशाह के नाम से जाना जाता हैं।

अहमद शाह 1748-1754

आलमगीर II 1754-1759

शाह आलम II 1759-1806

अकबर II 1806-1837

बहादुर शाह II 1837-1857

यूरोपियों का आगमन

PARMAR SSC

- **पुर्तगाली**
  - वास्को डिगामा
    - 1498
    - कालीकट में आये
    - भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज
  - फ्रांसिस्को डी अल्मेडा
    - 1505
    - प्रथम पुर्तगाली वाइस-रोय
    - वास्को डी गामा के गवर्नर
    - नीला पानी नीति लाया
  - अल्फोंसो डी अल्बुकर्क
    - 1509
    - 1510 में गोवा पर कब्ज़ा किया
    - सती प्रथा को समाप्त किया
- **डच**
  - नीदरलैंड के लोग
  - 1605 में प्रथम फैक्ट्री मसूलीपट्टनम
  - 1st Factory - Masulipatnam in 1605
- **फ्रेंच**
  - प्रथम कारखाना - 1668 में सूरत
- **अंग्रेज़**
  - 1599 — ईस्ट इंडिया कंपनी स्थापित
  - 1600 — महारानी एलिजाबेथ प्रथम से रॉयल चार्टर प्राप्त किया
  - 1608 — विलियम हॉकिन्स जहाँगीर के दरबार में आये
  - 1611 — प्रथम अस्थायी कारखाना मसूलीपट्टनम
  - 1613 — पहली फैक्ट्री सूरत
  - 1615 — थॉमस रो ने जहाँगीर के दरबार का दौरा किया
- **स्वाली का युद्ध**
  - 1612
  - पुर्तगालियो को हराया
  - सुवाली के युद्ध के नाम से जाना जाता है
- **चिनसुराह की लड़ाई**
  - 1759
  - डचों को हराया
  - बिडेर्रा की लड़ाई और हुगली की लड़ाई के नाम से जाना जाता है
- **कर्नाटक का युद्ध**
  - अंग्रेज़ बनाम फ्रांसीसी
  - 1st - 1744-1748
    - ऐक्स-ला-चैपल की संधि के साथ समाप्त हुआ
  - 2nd - 1749-1754
    - पांडिचेरी की संधि के साथ समाप्त हुआ
    - अम्बूर के युद्ध के नाम से जाना जाता है
  - 3rd - 1756-1763
    - वांडीवाश की लड़ाई के नाम से जाना जाता है - 1760
    - फ्रांसीसी को हराया और पांडुचेरी पर कब्ज़ा कर लिया
    - पेरिस की संधि के साथ समाप्त
- **सिंध**
  - 1843 में अधिग्रहण किया गया
- **अफगान**
  - प्रथम युद्ध-1839-1842 जॉन लॉरेंस गवर्नर जनरल
  - द्वितीय युद्ध 1879-1880 गंडामक की संधि पर हस्ताक्षर
  - तृतीय युद्ध - 1919
- **पंजाब में**
  - 1809 में अमृतसर की संधि
  - अंग्रेजों और महाराजा रणजीत सिंह के बीच
- **मराठो में**
  - प्रथम युद्ध - 1775-1782
  - द्वितीय युद्ध-1803-1806
  - तीसरा युद्ध 1817-1818
- **मैसूर में**
  - राजवंश वोडेयार राजवंश
  - शासक - हैदर अली
  - प्रथम युद्ध 1767-1769
    - मैसूर जीत गया
    - मद्रास की संधि के साथ समाप्त।
  - द्वितीय युद्ध-1780-1784
    - टीपू सुल्तान - राजा
    - मैंगलोर की संधि के साथ समाप्त हुआ
  - तीसरा युद्ध 1790-1792
    - टीपू सुल्तान की हार
    - सहायक गठबंधन / संधि
      - 1798 में वेलेजली द्वारा
      - हैदराबाद (पहला) 1798 को अपनाया गया
      - मैसूर - 1799
      - तंजौर - 1799
      - अवध - 1801
      - पेशावर - 1802
  - चतुर्थ युद्ध-1798-1799
    - टीपू सुल्तान की मृत्यु
- **बंगाल में**
  - मुर्शिद कुली खान - प्रथम नवाब
  - सुनहरा फ़रमान - फारुखसियर द्वारा
  - ब्लैक होल त्रासदी
  - प्लासी का युद्ध
    - 1757
    - शुजा-उद-उल्लाह बनाम ब्रिटिश
  - बक्सर का युद्ध
    - 1764
    - मीर कासिम, शाह आलम द्वितीय और शुजा-उद-उल्लाह बनाम ब्रिटिश
    - अंग्रेज़ जीत गए
    - शाह आलम द्वितीय और शुजा-उद-दौला ने इलाहाबाद संधि पर हस्ताक्षर किए - 1765

1857 विद्रोह के पूर्व

- **इंडिगो विद्रोह**
  - 1859
  - नादिया, पश्चिम बंगाल में
  - नेता - दिगंबर विश्वास
- **संथाल विद्रोह**
  - 1855
  - राजमहल पहाड़ियो में
  - नेता-सिद्धू और कान्हू
- **हो और मुंडा विद्रोह**
  - 1899
  - रांची, सिंहभूम में
  - नेता बिरशा मुंडा
- **कोल विद्रोह**
  - 1831
  - नेता बुधो भगत
- **मोपला विद्रोह**
  - 1836
  - मालाबार में
- **पागल पंथी**
  - 1825
  - बंगाल में
  - नेता - करम शाह और टीपू
- **भूमि सुधार**
  - स्थायी बंदोबस्त
    - 1793
    - कॉर्नवालिस द्वारा
    - जमींदारी प्रथा के नाम से जाना जाता है
    - बंगाल, यूपी और एमपी में
  - रैयतवाड़ी व्यवस्था
    - 1820
    - मुनरो और रीड द्वारा
    - दक्षिण भारत में / रैयतवारी
    - किसानों के लिए
  - महलवाड़ी व्यवस्था
    - 1822
    - होल्ट मैकेंज़ी द्वारा - बंगाल में
    - विलियम बैंटिक द्वारा - पंजाब में
    - ग्राम प्रधान के लिए
- **सन्यासी विद्रोह**
  - 1764
  - बिहार और बंगाल में
  - नेता - मंजू शाह, भवानी पाठक और देवी चौधरानी
- **पाइका विद्रोह**
  - 1817
  - ओडिशा में
  - नेता - बक्शी जगबंधु विद्याधर
- **अहोम विद्रोह**
  - 1828
  - असम में
  - नेता गोमधर कुँवर

1857 का विद्रोह

टिप्पणियाँ
- वी डी सावरकर - प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

भारत शासन अधिनियम 1858
- ईस्ट इंडिया कंपनी ख़त्म कर दी गयी
- ताज शासन
- सेना में न्यूनतम भारतीय
- गवर्नर जनरल अब वायसराय बन गया
- सेक्रेटरी जनरल 15 सदस्यीय परिषद के सचिव

दमनकर्ता
- दिल्ली - जॉन निकोलसन
- लखनऊ - हेनरी लॉरेंस
- कानपुर - कॉलिन कैम्पबेल
- झाँसी - ह्यू रोज़

नेता
- दिल्ली - बहादुर शाह ज़फ़र / बक्त खान
- लखनऊ - बेगम हज़रत महल
- कानपुर - नाना साहब/तांती टोपे
- बिहार - कुँवर सिंह
- झाँसी - रानी लक्ष्मी बाई
- बरेली - खान बहादुर खान
- फैजाबाद - मौलवी अहमदुल्ला
- उत्तर प्रदेश - शाहमल

कारण
- ब्रिटिश नीतियाँ
  - सामान्य सेवा स्थापित अधिनियम
  - कैनिंग द्वारा
- हड़प नीति का सिद्धांत
  - 1848
  - डलहौजी द्वारा
  - स्थान
    - प्रथम-1848 सतारा
    - 2nd 1849 संबलपुर और जैतपुर
    - तृतीय-1854 झाँसी
- तत्कालिक कारण
  - पोर्क और बीफ़ का उपयोग करके चिकना किया हुआ कारतूस
  - मंगल पांडे

    34वीं नेटिव इन्फैंट्री सोल्जर। 8 अप्रैल - फाँसी
  - 24 अप्रैल 3री नेटिव कैवेलरी ने उपयोग करने से इनकार कर दिया
  - 10 मई 1857 - विद्रोह प्रारम्भ

असफलता का कारण
- सीमित क्षेत्रीय एवं सामाजिक आधार
- समन्वय एवं नेतृत्व का अभाव
- राजनीतिक परिप्रेक्ष्य का अभाव

मराठा

शिवाजी 1674-1680
- शिवनेरी किले में जन्म (1630 में)
- पिता - शाहजी भोंसले
- माता - जीजा बाई
- शिक्षक - समर्थ रामदास
- शाइस्ता खान (दक्कन का गवर्नर) - औरंगजेब द्वारा प्रतिनियुक्त किया गया था (1660 में)
- 1665 में शिवाजी को पदच्युत करने के लिए औरंगजेब द्वारा आमेर के राजा जय सिंह को नियुक्त किया गया।
- 1674 में शिवाजी का राजधानी रायगढ़ में राज्याभिषेक हुआ और उन्होंने छत्रपति / हिंदू धर्म के रक्षक धर्मोद्धारक की उपाधि धारण की
- उनके दरबार में अष्टप्रधान (आठ मंत्री) थे
- चौथ - मराठों के आक्रमण से बचने के लिए भू-राजस्व का 1/4 (25%) हिस्सा मराठों को दिया जाता था।
- सरदेशमुखी ने महाराष्ट्र की उन भूमियों पर 10% की अतिरिक्त कर लगायी जिन पर मराठा वंशानुगत अधिकार का दावा करते थे

संभाजी 1680-1689
- शिवाजी के बड़े पुत्र
- राजाराम (शिवाजी के छोटे पुत्र) को हराया
- औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर द्वितीय को सुरक्षा और सहायता प्रदान की

राजाराम 1689-1700
- राजगढ़ में मंत्रियों की सहायता से सिंहासन पर बैठा
- सतारा में मृत्यु हो गई
- नई पद - प्रतिनिधि, मंत्रियों की कुल संख्या नौ हुई

ताराबाई 1700-1707
- राजाराम की पत्नी
- son - Shivaji II बेटा - शिवाजी II

शाहु जी 1707-1749
- मुग़ल सम्राट बहादुर शाह द्वारा छोड़ा गया
- खेड़ के युद्ध में ताराबाई को हराया

बालाजी विश्वनाथ 1713-1720
- प्रथम पेशवा (मराठों के प्रधान मंत्री)
- उपाधि - सेना करते (सेना का चिह्न), 1708 में शाहू द्वारा
- पेशवा ने (1713 में) इस पद को शक्तिशाली और वंशानुगत बना दिया
- सैयद ब्रदर्स (किंग मेकर) - (1719) फर्रुख सियार गद्दी पर बैठा
- मुहम्मद शाह (रंगीला) ने बालाजी विश्वनाथ की सहायता से सैयद बंधुओं की हत्या कर दी

बाजी राव I 1720-1740
- बालाजी विश्वनाथ के सबसे बड़े पुत्र
- निज़ाम-उल-मुल्क को हराया और दोराहा सराय की संधि पर हस्ताक्षर किए
- दिल्ली पर छापा मारा (1737 मे)
- विभिन्न मराठा संघ प्रमुखता में आये
  - पुणे के पेशवा
  - बड़ौदा के गायकवाड़
  - नागपुर के भोसले
  - इंदौर के होल्कर
  - ग्वालियर के सिंधिया

बालाजी बाजी राव 1740-1761
- नाना साहेब के नाम से जाना जाता है
- पानीपत की तीसरी लड़ाई (1761 में) मराठों (हारे हुए) और अफगानों के बीच

आंग्ल मराठा युद्ध
- प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध (1775-1782)
  - आंतरिक कलह के कारण
  - नाना फड़नवीस (जीते) अंग्रेजों के विरुद्ध
  - वडगांव की संधि पर हस्ताक्षर किये गये
  - 1782 ई. में सालबाई की संधि
- द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध बाजीराव द्वितीय (हार गया)
  - बेसिन की संधि (1802 में)
  - सहायक गठबंधन (1803 में)
  - राजघाट की संधि - होलकरों के साथ
  - देवगांव की संधि - भोंसले के साथ
- तीसरा आंग्ल मराठा युद्ध (1817-1818)
  - पिंडारी युद्ध के रूप में माना जाता है
  - बाजीराव द्वितीय को पकड़कर बिठूर भेज दिया गया

सामाजिक-धार्मिक आंदोलन

PARMAR SSC

- **अलीगढ आंदोलन**
  - सैयद अहमद खान द्वारा
  - मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना (1875 में)
  - बाद में इसे अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से जाना गया (1920 में)
- **थियोसोफिकल सोसायटी**
  - 1875
  - एचपी ब्लावात्स्की और एमएस ओल्कोट द्वारा
  - न्यूयॉर्क, यूएसए
  - बाद में आद्यास, मद्रास में (1882 में स्थानांतरित)
- **भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन**
  - 1887
  - एम जी रानाडे और रोगुनाथ राव द्वारा
  - मद्रास में
  - प्रतिज्ञा आंदोलन
- **देव समाज**
  - एस एन अग्निहोत्री द्वारा
  - लाहौर में
- **सेवा सदन**
  - 1908
  - बी एम मालाबारी द्वारा
- **सोशल सर्विस लीग**
  - 1920
  - एन एम जोशी द्वारा
  - बम्बई में
- **भारत सेवक समाज**
  - 1905
  - जी के गोखले द्वारा
- **रामकृष्ण मिशन**
  - 1897
  - स्वामी विवेकानन्द द्वारा
- **ब्रह्म समाज**
  - आत्मीय सभा - 1814
  - 1828
  - राजा राममोहन राय द्वारा
- **तत्त्वबोधिनी सभा**
  - 1839
  - देवेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा
- **ब्रह्म समाज प्रभाग**
  - in 1866
  - भारत का ब्रह्म समाज
  - आदि ब्रह्म समाज
- **धर्म सभा**
  - 1830
  - राधाकांत देब
- **परमहंस मंडली**
  - 1849
  - दादाबा पांडुरंग और मेहताजी दुर्गाराम द्वारा
  - महाराष्ट्र में
- **प्रार्थना समाज**
  - 1867
  - आत्माराम पाण्डुरनाग द्वारा
  - महाराष्ट्र में
- **सत्यशोधक समाज**
  - 1873
  - ज्योतिराव फुले द्वारा
  - महाराष्ट्र में
- **आर्य समाज**
  - 1875
  - स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा
  - प्रथम इकाई बम्बई
  - बाद में लाहौर में

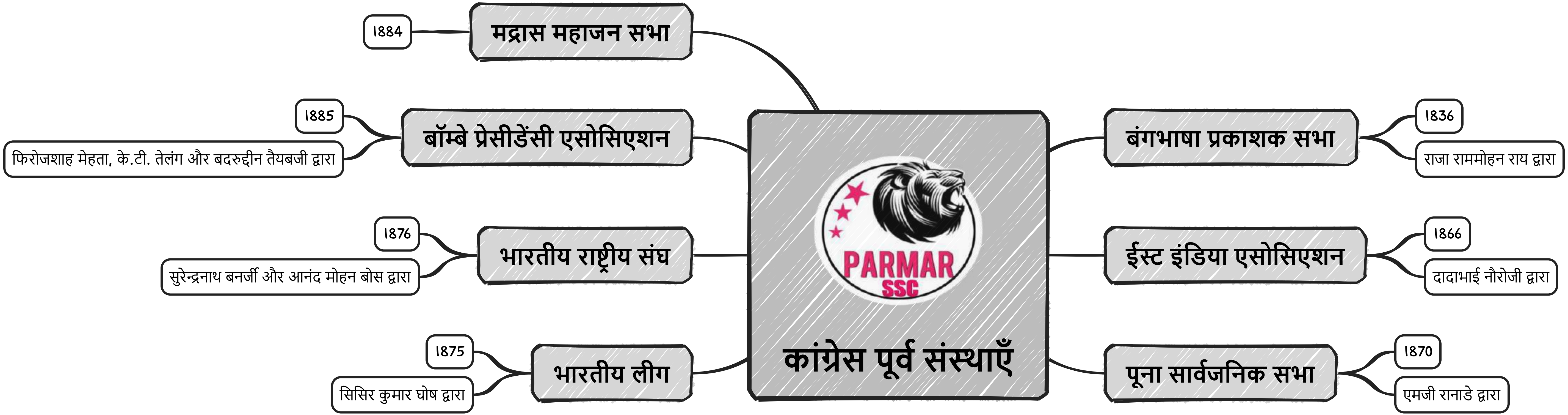
कांग्रेस पूर्व संस्थाएँ
PARMAR
SSC
मद्रास महाजन सभा
1884
बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन
1885
फिरोजशाह मेहता, के.टी. तेलंग और बदरुद्दीन तैयबजी द्वारा
भारतीय राष्ट्रीय संघ
1876
सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा
भारतीय लीग
1875
सिसिर कुमार घोष द्वारा
बंगभाषा प्रकाशक सभा
1836
राजा राममोहन राय द्वारा
ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
1866
दादाभाई नौरोजी द्वारा
पूना सार्वजनिक सभा
1870
एमजी रानाडे द्वारा

Indian National Congress

गठन
- 1885
- एलन ऑक्टोवियन ह्यूम
- गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय, बम्बई
- 72 प्रतिनिधि

गवर्नर जनरल
- विलियम बैंटिक — 1828-1835
- मेटकाफ़ — 1835-1836
- डलहौजी — 1848-1856
- मेयो — 1869-1872
- लिटन — 1876-1880
- रिपन — 1880-1884

विभिन्न सिद्धांत
- सुरक्षा वाल्व सिद्धांत — लाला लाजपत राय
- षड्यंत्र सिद्धांत — आरपी दत्त
- Lightning Conductor Theory — जीके गोखले
- देशद्रोह की फैक्ट्री — डफरिन

महत्वपूर्ण सत्र
- 1885 - बंबई — डब्ल्यू सी बनर्जी
- 1886 - कलकत्ता — दादाभाई नौरोजी
- 1887 - मद्रास — बदरुद्दीन तैयबजी
- 1888 - इलाहाबाद — जॉर्ज यूल
- 1896 - कलकत्ता
- 1901 - कलकत्ता
- 1905 - बनारस — गोपाल कृष्ण गोखले
- 1906 - कलकत्ता — दादाभाई नौरोजी
- 1907 - सूरत — आर बी घोष
- 1911 - कलकत्ता
- 1916 - लखनऊ — अंबिका चरण मजूमदार
- 1917 - कलकत्ता — एनी बेसेंट
- 1924 - बेलगाम — महात्मा गाँधी
- 1925 - कानपुर — सरोजनी नायडू
- 1929 - लाहौर — जवाहर लाल नेहरू
- 1931 - कराची — सरदार पटेल
- 1937 - फैजपुर — जवाहर लाल नेहरू
- 1938 - हरिपुर — सुभाष चंद्र बोस
- 1939 - त्रिपुरी — राजेंद्र प्रसाद
- 1946 - मेरठ — जे बी कृपालानी

बंगाल विभाजन

PARMAR SSC

- **कर्ज़न की प्रतिक्रियावादी नीतियाँ**
  - कलकत्ता कार्पोरेशन अधिनियम - 1899
  - सरकारी गोपनीयता अधिनियम 1904
  - भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904
  - बंगाल विभाजन - 1905
- **बंगाल का विभाजन**
  - कारण प्रशासनिक सुविधा बताया गया
  - मूल रूप से बंगाल को कमजोर करने के लिए
  - जुलाई, 1905 को घोषित किया गया
  - अक्टूबर 1905 को लागू किया गया
- **1905 बनारस अधिवेशन**
  - जी के गोखले द्वारा
- **1906 कलकत्ता अधिवेशन**
  - दादाभाई नौरोजी द्वारा
  - 4 संकल्प - स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार एवं राष्ट्रीय शिक्षा
- **1907-सूरत अधिवेशन**
  - रास बिहारी घोष द्वारा
  - उग्रवादी और नरमपंथी में विभाजित
- **नेता**
  - बाल गंगाधर तिलक — पूना / बंबाई
  - सैयद हैदर रज़ा — दिल्ली
  - चिदम्बरम पिल्लई — मद्रास
  - लाला लाजपत रॉय — पंजाब
- **मॉर्ले-मिंटो सुधार**
  - भारत सरकार अधिनियम 1909
  - मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र
- **विभाजन की समाप्ति**
  - 1912 में राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित हो गई
  - 1911 में हार्डिंग द्वितीय द्वारा दिल्ली दरबार

क्रांतिकारी गतिविधियाँ

- **1879** – रामोसी किसान बल महाराष्ट्र में
- **1890** – शिवाजी और गणपति उत्सव
- **1897** – चापेकर भाई ने रैंड प्लेग आयुक्त को मार डाला
- **1899** – मित्र मेला पूना में सावरकर ब्रदर्स द्वारा
- **1902** – अनुशीलन समिति बंगाल में सतीश चन्द्र बशु द्वारा
- **1904** – मित्र मेला का अभिनव भारत सोसाइटी में विलय हुआ
- **1905** – इंडियन होम रूल सोसायटी श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा
- **1906** – मुस्लिम लीग ढाका, बांग्लादेश में ख्वाजा सलीमुल्लाह द्वारा
- **1907** – मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में भारतीय ध्वज फहराया
- **1908** – अलीपुर बम षडयंत्र प्रफुल्ल चाके, खुदीराम बोस, कनाईलाल दत्ता, अरबिदो घोष
- **1909** – मदन लाल ढींगरा ने कर्ज़न वायली की हत्या कर दी
- **1913** – गदर पार्टी लाला हरदयाल, सोकन सिंह भकना, बरकतुल्लाह और परमानंद सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में
- **1914**
  - कोमागाटा मारू घटना जापान/हांगकांग/सिंगापुर से कनाडा के लिए रवाना हुआ
  - प्रथम विश्व युद्ध प्रारम्भ हुआ
- **1915**
  - बर्लिन समिति वीरेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय द्वारा
  - भारत रक्षा अधिनियम
- **1916**
  - होम रूल लीग
    - प्रथम - बाल गंगाधर तिलक
    - द्वितीय एनी बेसेंट
  - लखनऊ सत्र अंबिका चरण मजूमदार द्वारा

गांधी जी का प्रादुर्भाव

- **2 Oct. 1869**
  - जन्म पोरबंदर, गुजरात
- **1915**
  - 9 जनवरी - भारत वापस
- **1917**
  - चंपारण सत्याग्रह
    राजकुमार शुक्ल ने उन्हें तिनकठिया प्रणाली के खिलाफ आमंत्रित किया
- **1918**
  - अहमदाबाद मिल हड़ताल अनसूया साराभाई ने उन्हें आमंत्रित किया
  - खेड़ा सत्याग्रह
    सरदार पटेल से मुलाकात हुई
- **1922**
  - चौरी चौड़ा कांड
  - असहयोग आन्दोलन स्थगित
- **1920**
  - असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया
    जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ
    (13 अप्रैल 1919 में)
  - खिलाफत आंदोलन
- **1919**
  - रौलेट एक्ट के खिलाफ रौलेट सत्याग्रह
- **GoI Act 1919**
  - मोंटागु-चेम्सफोर्ड सुधार

Socialism

- **बंगाल में**
  - सूर्य सेन द्वारा चिट्टागोंग शस्त्रागार में छापा (1930)
- **पंजाब-यूपी-बिहार में**
  - रामप्रशाद बिस्मिल, जे सी चटर्जी, सचिन सान्याल द्वारा कानपुर में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन 1924 में
  - हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन 1928 में फिरोजशाह कोटला में चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव द्वारा
  - भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु 1928 - सॉन्डर्स की हत्या 23 मार्च 1931 - फाँसी दी गई
  - भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा 1929 में विधान सभा परिषद में बमबारी
- **उपन्यास और किताबें**
  - सचिन सान्याल द्वारा बंदी जीवन
  - शरत चंद्र चटर्जी द्वारा पाथेर डाबी
  - बी सी वोहरो द्वारा बम का दर्शन (philosophy of Bomb)
- **कारण**
  - रूसी क्रांति
- **पार्टियों का गठन**
  - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एम एन रॉय द्वारा, 1920 ताशकंद, उज्बेकिस्तान में
  - कानपुर बोल्शेविक षडयंत्र केस 1924 एस ए डांगे, मुजफ्फर अहमद, शौकत, उस्मानी
  - ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस 1920 एनएम जोशी, लाला लाजपत राय, दीवान चमन लाल, जोसेफ बैपटिस्टो
- **जाति आंदोलन**
  - ई वी रामास्वामी नायकर द्वारा आत्म सम्मान आंदोलन
  - महाड़ सत्याग्रह 1927 डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा

सविनय अवज्ञा आंदोलन

PARMAR SSC

साइमन कमीशन
- 1927 - जॉन साइमन द्वारा
- 1928 - 7 सदस्यीय आयोग भारत आया, जिसमें सभी श्वेत थे, कोई भारतीय नहीं
- प्रतिक्रिया
  - मोतीलाल नेहरू के अधीन नेहरू रिपोर्ट, 1928
  - दिल्ली प्रस्ताव मुस्लिम लीग द्वारा
  - जिन्ना द्वारा 14 Point
  - दिल्ली घोषणापत्र कांग्रेस द्वारा

1929 लाहौर अधिवेशन
- जवाहरलाल नेहरू द्वारा
- प्रथम RTC का बहिष्कार करें
- लक्ष्य - पूर्ण स्वराज
- 26 जनवरी 1930 - प्रथम स्वतंत्रता दिवस
- 31 दिसंबर 1930 - रावी के तट पर झंडा फहराया गया
- CDM प्रारंभ

दांडी मार्च
- प्रारंभ 12 मार्च 1930, अंत 4 अप्रैल 1930
- साबरमती से दांडी तक (240 मील)
- नमक कानून तोड़ने के लिए 78 प्रतिनिधि
- 4 मई - गांधीजी जेल में
- विस्तार
  - रैयतवारी में राजस्व का कोई भुगतान नहीं।
  - जमींदारी में कोई चौकीदार टैक्स नहीं
  - मध्य प्रांत में वन कानूनों की अवहेलना

गोलमेज़ सम्मेलन
- लंदन में
- 1st - 1930
- 2nd - 1931 गांधीजी ने भाग लिया
- 3rd - 1932
- बीआर अंबेडकर ने सभी में भाग लिया

1931 कराची अधिवेशन
- by Sardar Patel
- भाग लिया 2nd RTC
- CDM निलंबित
- पूर्ण स्वराज का अर्थ समझाया गया
- 2 संकल्प
  - मौलिक अधिकार
  - राष्ट्रीय आर्थिक नीति

गांधी इरविन समझौता
- 14 Feb. 1931
- इरविन की मांग
  - CDM निलंबित
  - 2nd RTC में भाग लें

नेता
- तमिलनाडु - सी राजगोपालाचारी
- मालाबार - के केलप्पन
- ओडिशा - गोपालबंधु चौधरी
- बिहार - अंबुकाकांत सिन्हा
- पेशावर - खान अब्दुल गफ्फार खान
- धरसना - सरोजनी नायडू
- मणिपुर और नागालैंड - रानी गाइदिन्ल्यू

भारत छोड़ो आंदोलन

कैबिनेट मिशन योजना
- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली द्वारा
- 3 सदस्यीय
  स्टैफार्ड क्रिप्स, एवी अलेक्जेंडर और पैथिक लॉरेंस
- डायरेक्ट एक्शन डे 16 अगस्त 1946 जिन्ना द्वारा
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947
  - माउंटबेटन द्वारा
  - माउंटबेटन योजना/ विभाजन योजना के नाम से जाना जाता है

भारतीय राष्ट्रीय सेना
- 1942 में
  सिंगापुर में मोहन सिंह द्वारा
- 1943 में अगले नेता
  एस सी बोस
- महिला रेजिमेंट का नाम
  रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर रखा गया
- 15 अगस्त जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया

भारत छोड़ो आंदोलन
- 1942
- पहले दिन सभी नेता गिरफ्तार
- नेतृत्वविहीन आंदोलन
- CWC की अध्यक्ष अरुणा आसफ अली
- समानांतर सरकार
  - बलिया
    चितू पांडे
  - तमलुक
    जातीय
    सरकार
  - सतारा
    प्रति सरकार

क्रिप्स मिशन
- स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स द्वारा
- डोमिनियन स्टेटस खारिज कर दिया गया

अगस्त प्रस्ताव
- 1940
- डोमिनियन स्टेटस खारिज कर दिया गया
- व्यक्तिगत सत्याग्रह
  - गांधीजी द्वारा
  - 1st - विनोबा भावे
  - 2nd - जेएल नेहरू

कम्युनल अवॉर्ड
- 1932
- रामसे मॉकडोनाल्ड द्वारा
- दलित वर्गों वर्गों के लिए अलग इलेक्ट्रोलेट

पूना पैक्ट
- 1932
- अम्बेडकर और गांधीजी के बीच / मदन मोहन मालवीय
- पूना की यरवदा जेल में

भारत सरकार अधिनियम 1935
- प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया गया
- केंद्र में द्वैध शासन लागू किया
- 11 प्रांतों में से 6 द्विसदनीय विधानमंडल

कांग्रेस अधिवेशन
- 1936 लखनऊ
  - अखिल भारतीय किसान सभा 1936 : सहजानंद सरस्वती द्वारा
  - कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी - जेपी नारायण, राममनोहा एएन देव और मीनू महानी द्वारा
- 1937-फैजपुर
  - held in Village
- 1938-हरिपुरा, गुजरात
  - By S C Bose
  - राष्ट्रीय योजना कमिटी 1938
- 1939-त्रिपुरी, जबलपुर, मध्य प्रदेश
  - पट्टाभिसीतारमैया VS सुभाष चन्द्र बोस
    सुभाष चन्द्र बोस जीते
  - सुभाष चन्द्र बोस का इस्तीफा
  - सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 1939 में
    ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना

द्वितीय विश्व युद्ध
- मित्र राष्ट्र ब्रिटेन,
  संयुक्त राज्य अमेरिका,
  सोवियत संघ
- धुरी जर्मनी, इटली, जापान
- कांग्रेस ने लिनलिथगो वायसराय को प्रस्ताव दिया
  - संविधान सभा
  - जिम्मेदार सरकार
  - अक्टूबर 1939
    कांग्रेस मंत्रालय फिर से बहाल हुआ